Dr. Harisingh Gour

न्यूजलेटर

अक्टूबर 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

संरक्षक

प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,

सागर (म.प्र.)

सहयोग एवं परामर्श

डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय

कुलसचिव (प्र.)

संपादक

डॉ. विवेक जायसवाल

जनसंपर्क अधिकारी (प्र.)

संपादक सदस्य

डॉ. हेमंत पाटीदार

डॉ. आशुतोष

डॉ. शालिनी चोइथरानी

डॉ. संजय शर्मा

माधव चंद्रा

स्वच्छता कैंपेन 4.0 के तहत कुलपति ने दिलाई स्वच्छता शपथ

कुलपति द्वारा सफाई कर्मियों को प्रदान की गई सुरक्षा किट

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय के शंकर भवन में विश्वविद्यालय

की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने समस्त सफाई कर्मियों को स्वच्छता शपथ दिलाई जिसमें सभी ने कम से कम प्रतिवर्ष 100 घंटे स्वच्छता गतिविधि में भाग लेने का संकल्प लिया.

शिविर में उपस्थित समस्त सफाई कर्मियों को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा सुरक्षा किट का वितरण किया गया. इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सफाई कर्मियों को कार्य करते समय कैसे सुरक्षित रहना है इस सम्बन्ध में जानकारी दी. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज के नागरिक होने के नाते हमारी जिम्मेदारी बनती है अपने आस-पास के परिसर को स्वच्छ बनाये रखना. विवि भी अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इस तरह के अभियान का हिस्सा बनेगा और स्वच्छता जागरूकता अभियान और गतिविधि में संलग्न रहेगा. इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा भी की. शिविर में डॉ संजय शर्मा, डॉ राकेश सोनी, डॉ उत्सव आनंद, डॉ अभिषेक कुमार जैन, डॉ भूपेंद्र पटेल सहित शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

प्रोफेसर अस्मिता गजभिये पाटिल को फार्मास्यूटिकल रसायन विज्ञान में अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए एपीटीआई पुरस्कार से सम्मानित

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की प्रोफेसर अस्मिता गजभिये-पाटिल, डीन, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को उत्कल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर (उड़ीसा) में आयोजित एपटीकॉन- 2024 में फार्मास्यूटिकल रसायन विज्ञान में अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए एपीटीआई का प्रोफेसर एल.वी.जी. नारगुंड पुरस्कार से सम्मानित किया गया. यह पुरस्कार उनकी समर्पित अनुसंधान गतिविधियों और फार्मास्यूटिकल रसायन विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया.

इस उपलब्धि पर प्रोफेसर अस्मिता गजभिये को विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता तथा प्रशासनिक अधिकारियो सहित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश पाटिल, प्रो. वंदना सोनी, प्रो. सुशील, तथा सेवानिवृत्त प्रो. वी. के. दीक्षित, प्रो.एन. के. जैन, प्रो.एस. पी. व्यास, प्रो.संजय जैन, प्रो. कोहली, प्रो.अभय सिंघई, प्रो.जी. पी. अग्रवाल के साथ-साथ गैर-शिक्षण विभाग के कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी यह उपलब्धि न केवल संस्थान का नाम रोशन करती है, बल्कि विश्वविद्यालय के मिशन को आगे बढाने में उत्प्रेरक का कार्य करते हुए छात्रों को उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए प्रेरित करने का कार्य भी करती है.

प्रोफेसर गजभिये की यह सफलता फार्मास्यूटिकल रसायन विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित करेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक बनेगी.

विश्वविद्यालय में केमिकल साइंस की तकनीक पर सफलता पूर्वक संपन्न हुई छह दिवसीय कार्यशाला

शास्त्र में अणुओं की संरचना बहुत महत्वपूर्ण होती है. इस संरचना पर ही अणुओं के गुणधर्म और उनकी प्रकृति निर्भर करती है. लेकिन अणु आकार में इतने छोटे होते हैं कि इन्हे साधारण तरीके से देखा नहीं जा सकता है. इनके लिए अति परिष्कृत उपकरणों की जरूरत होती है. हालाकि ये परिष्कृत उपकरण आसानी से उपलब्ध नहीं होते एवं इनकी ट्रेनिंग भी आम विद्यार्थियों को आसानी से नहीं मिल पाती है. इसीलिए डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर अलग-अलग उपकरणों पर कार्यशाला आयोजित कर रहा है. इसी क्रम में इस वर्ष यह दूसरी कार्यशाला थी. इस बार 'एडवांस्ड रिसर्च टेक्नीक्स फॉर केमिकल एनालिसिस एंड कैरक्टराइजेशन' विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला दिनांक 23 सितम्बर से 28 सितम्बर 2024 के मध्य आयोजित किया गया. जिसमें देश भर के 56 प्रतिभागीयों ने भाग लिया. कार्यशाला की मुख्य संरक्षिका डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता थीं जबकि सह संरक्षक प्रो. हेरल थॉमस थे। समन्वयक प्रो. रत्नेश दास एवं डॉ. कल्पतरु दास थे. कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. नीरज उपाध्याय एवं डॉ. के. के. डे थे.

छह दिवसीय इस कार्यशाला में एन एम आर, आई आर, यूवी- विजिबल, फ्लोरोसेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी एवं मास स्पेक्ट्रोमेट्री पर ट्रेनिंग दी गई. यौगिकों की शुद्धता ज्ञात करने एवं उनके संख्यात्मक परिमाण को निकालने के लिए गैस क्रोमेटोग्राफी एवं

लिक्विड क्रोमेटोग्राफी तकनीक के बारे में भी बताया गया. गैस क्रोमेटोग्राफी और लिक्विड क्रोमेटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री से जुड़कर यौगिकों के कैरक्टराइजेशन के लिए एक पूर्ण तकनीक देते है जिसे भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्शन तकनीक भी एक पूर्ण तकनीक है जिससे अणुओं का कैरक्टराइजेशन किया जाता है। जिसकी प्रतिभागियों को ट्रेनिंग दी गई. अणुओं के ऑक्सीकरण एवं अवकरण प्रकृति की जानकारी के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन पर भी ट्रेनिंग दी गई.

इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर देश के अलग-अलग कोनों से विशेषज्ञ बुलाए गए थे. इन विशेषज्ञों में आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर रजनीश मिश्रा; जीओल इंडिया लिमिटेड से श्री श्रीनिवास पुजारी एवं श्री राहुल ग्रोवर; लैब इंडिया से श्री

गांधी जी गिरिया; महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय से डॉ. मौली थॉमस; इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च भोपाल से प्रोफेसर दीपक चोपड़ा; आईआईटी गुवाहाटी से प्रोफेसर सुभाष चंद्र पान; एवं डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय से डॉक्टर रत्नेश दास, डॉ रितु यादब, डॉ. अभिलाषा दुर्गावंशी, डॉ. के के डे, डॉ. के बी जोशी, डॉ. कल्पतरु दास, डॉ. पुष्पल घोष और डॉ. नीरज उपाध्याय ने कार्यशाला में सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक गतिविधियों की ट्रेनिंग देने में मुख्य भूमिका निभाई। जबकि डॉ. मिलिंद देशमुख सैद्धांतिक तौर पर विद्यार्थियों के लिए हमेशा मौजूद रहे. इस कार्यशाला को सफल बनाने के लिए सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च की तरफ से इं. रमेश प्रजापति, इं. शिव प्रकाश सोलंकी एवम् डॉ. विवेक पांडे ने नेतृत्व किया, जबकि मशीन पर इं. सौरभ शाह, इं. आशीष चदार, इं. अरविंद चदार, इं. मोहित राठौड़ एवं इं. महेश सोनी ने अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोग प्रदान किया। शोध छात्रों ने भी हर संभव तकनीकी सहायता दी जिनमें श्री अरुणेश कुमार, श्री स्वतंत्र अग्रवाल, श्री पंकज, सुश्री प्रियंका अहिरवार, श्री बलराम जी, श्री हीरालाल केवट, श्री लवकेश

कुमार एवं श्री प्रिंस सेन आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला को स्पॉन्सरशिप प्रदान किया था जीओल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, जय अप्लायंसेज, एवम् सिस्को केम प्राइवेट लिमिटेड ने.

कार्यशाला का समापन समारोह 28 सितंबर शाम 3:00 बजे से शुरू किया गया. जिसमें डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के निदेशक अकादमिक अफेयर प्रोफेसर नवीन कांगो मुख्य अतिथि के रूप में एवं आई. आई. टी. गुवाहाटी से आए प्रोफेसर सुभाष चंद्र पान विशेष अतिथि के रूप में मौजुद थे. सर्टिफिकेट आवंटन में डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के डीन एवं विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर ए पी मिश्रा ने प्रोफेसर नवीन कांगो एवं प्रोफेसर सुभाष चंद्र पान का साथ दिया. डॉ. कल्पतरु दास ने कार्यशाला की छोटी रिपोर्ट सबके सामने प्रस्तुत की. प्रोफेसर सुभाष चंद्र पान ने कार्यशाला से जुड़े हुए अपने अनुभव को सबके साथ साझा किया जबकि प्रतिभागियों की तरफ से डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की सुश्री वैष्णवी सावले, इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, मुंबई से आए प्रतिभागी सुश्री सुभांगी मिश्रा एवं श्री चिराग गावली ने कार्यशाला के दौरान प्राप्त हुए अपने अनुभव को साझा किया. प्रतिभागियों ने बताया कि उनके लिए यह बड़ी बात है की इतने परिष्कृत उपकरणों को उन्होंने अपने जीवन में पहली बार देखा ही नहीं बल्कि उन पर कार्य भी किया. उपकरणों की ट्रेनिंग को प्राप्त करने के बाद निश्चित ही शोध कार्य करने में उनको नई दिशा मिली है. अब शोधकार्य उनके लिए आसान होगा और शोध से नई ऊंचाइयों को वे छू सकेंगे. प्रतिभागियों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में होने वाले सैंपल एनालिसिस में भी सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च उनकी मदद करता रहेगा. धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नीरज उपाध्याय ने किया। मंच संचालन सुश्री मुस्कान मालवीय एवं सुश्री प्राची तिवारी ने किया.

गाँधी जी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक विकृतियों को दूर करने का लें संकल्प- सांसद डॉ. लता वानखेड़े

विश्वविद्यालय में हुआ गांधी जयंती पर विशिष्ट व्याख्यान एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर 2024 के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गाँधी पथ' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें

सागर संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद डॉ. लता वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने किया.

मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं. उन्होंने कहा कि पूरे देश में वे अपना परिचय गौर नगरी सागर से ही देती हैं. डॉ. गौर की कर्मभूमि और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर की ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है. उन्होंने कहा कि गांधी जी विचारों को प्रतिपादित करने का कार्य माननीय

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है. उन्होंने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत का संकल्प लिया और आज पूरे देश में स्वच्छता को लेकर एक मुहिम चल पड़ी है. मध्य प्रदेश को स्वच्छता में चौथी बार अवार्ड मिला है. यह हमारे लिए गर्व की बात है. हम सब गांधी जी के मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित हैं. पहले सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा रहता था. खासतौर पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं थी लेकिन गांधी जी के विचार और माननीय प्रधानमंत्री के संकल्प ने पूरे देश में महिलाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान किया है. उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य केवल बाहरी तौर पर स्वच्छता करना ही नहीं है बल्कि हमें अपने मन, वचन और कर्म में भी स्वच्छता लाने के लिए संकल्पित होना चाहिए. आज देश के अधिकांश युवा वैचारिक भटकाव और बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं. हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सही और आदर्श रास्ते पर चलना सिखाएं. यह हम सबकी जिम्मेदारी है. गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण स्वच्छता है. इसलिए हमें इसके लिए सामाजिक विकृतियों को दूर करने का संकल्प लेना होगा. समाज में अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध खड़े हों और सबका सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें.

कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह और बुन्देली पगड़ी से किया सांसद का सम्मान

कार्यक्रम में कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, बुन्देली पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान किया. इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि एक पुरा छात्र जो आज सागर क्षेत्र की सांसद हैं उनको सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय गौरव महसूस कर रहा है. डॉ. गौर के इस मंदिर से नायाब हीरे निकले हैं जिसमें एक हमारी सांसद भी हैं. डॉ. गौर की बगिया के फूल पूरे विश्व में अपनी खुशबू बिखेर रहे हैं. यह हम सबके लिए गर्व का विषय है.

विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता के लिए हर संभव सहयोग, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए हो सामूहिक प्रयास- सांसद

इस अवसर पर डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि उन्होंने डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के मंदिर से शिक्षा प्राप्त की है. उन्होंने आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र की सांसद होने के नाते और विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा होने के नाते इस विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए वे अपना हर संभव सहयोग देंगी. उन्होंने कहा कि सागर, बुंदेलखंड सहित इस अंचल के नागरिक डॉ. गौर के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं. उनका योगदान अमूल्य है. स्वयं एक सांसद के रूप में मैं लगातार प्रयास कर रही हूँ कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले लेकिन इसके साथ ही सामूहिक स्तर पर भी प्रयास होने चाहिए और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की भी इसमें बड़ी भूमिका भी आवश्यक है. सबके प्रयास से ही डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने में हम जरूर सफल होंगे.

गांधी जी के विचार चिर प्रासंगिक, उनके आदर्शों पर चलने का लें संकल्प- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर ही हमारा देश आजाद हुआ था. सादगी में उनकी अटूट आस्था थी। उनके आदर्श, मूल्य और विचार चिर प्रासंगिक रहेंगे. स्वच्छता को लेकर उनके विचार हमें प्रेरणा देते हैं जिसके कारण आज पूरा देश स्वच्छता को लेकर सजग है. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जो अभियान 2014 में शुरू हुआ वह आज साकार होता दिख रहा है. विश्वविद्यालय परिवार भी पूरे मनोयोग से इस संकल्प को साकार कर रहा है जिसमें स्वच्छता के प्रति सामाजिक जागरूकता, स्वच्छता संकल्प. साफ-सफाई और स्वच्छ परिसर के साथ स्वस्थ शरीर रखने के अभियान के साथ कार्य किया जा रहा है.

स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन में प्रो. अंबिकादत्त शर्मा ने कहा कि गांधी अंतरात्मा की आवाज हैं. हम सबके भीतर उनके आदर्श विद्यमान हैं. हमें उनको पहचानने और आत्मसात करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि हमें ऐसी जीवन शैली

अपनानी चाहिए जो अपशिष्ट का निर्माण न करती हो. उन्होंने गांधी जी के विचारों को अपनाकर आंतरिक शुद्धता और स्वच्छता रखने का आवाहन किया. प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने आभार ज्ञापन किया. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अतिथि शिक्षक, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्रायें एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, परिवहन एवं स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने की कुलपति से सौजन्य भेंट

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में मध्य प्रदेश सरकार में परिवहन एवं स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से सौजन्य भेंट की. गौर भवन में भेंट के दौरान उन्होंने कुलपति से विश्वविद्यालय की प्रगति एवं गतिविधियों पर चर्चा की. उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा किया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर जैसे महादानी द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र होने के नाते विश्वविद्यालय के विकास एवं प्रगति की कामना करता हूँ. उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विकास के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया. श्री सिंह नर्मदापुरम संसदीय क्षेत्र के सांसद रह चुके हैं और वर्तमान में गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं. वर्तमान में वे मध्य प्रदेश सरकार में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री हैं. भेंट के दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों ने भी विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में बताया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, प्रो. हेरेल थॉमस, प्रो. डी. के नेमा, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. एस पी उपाध्याय, प्रवीण राठौर एवं समर्थ दीक्षित उपस्थित थे.

पंच प्रण के लिए युवा आगे आएँ- प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग में 'पंच प्रण' विषय के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला ने कहा कि 'पंच प्रण' की पूर्ति व लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा. युवाओं में ऊर्जा होती है वो केवल सपने नहीं देखते बल्कि उन्हें पूर्ण भी करते है. जब हम एक श्रेष्ठ भारत की बात करते हैं तो हमें आभासी दुनिया से हट कर वास्तविक दुनिया में कार्य करना होगा हमें एक भारत व श्रेष्ठ भारत के लिए युवाओं को आगे आना होगा. भारत के ज्ञान परम्परा को आगे लाते हुए हमें अपने गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर कार्य करना होगा. आत्मविश्वास के साथ हमें आगे बढाना होगा. हमें अपनी ऊर्जा का सही प्रयोग करना है. इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंच प्रण समिति के अध्यक्ष एवं प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने इस अवसर पर कहा कि पंच प्रण को पूरा करने के लिए सभी को मिल जुल कर कार्य करना होगा.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशपंच प्रण के माध्यम से राष्ट्र को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जायेगा. देश की युवा पीढी को एक बार याद दिलाना है कि आपको किन संकल्पों को पूरा कर देश को विश्व के मानचित्र पर एक विकसित राष्ट्र बनाया जायेगा. देश को विश्व के मानचित्र पर एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है. प्राचीन भारत हर क्षेत्र में विकसित था. इसलिए इसे सोने की चिडिया कहा जाता था. इस देश को पुनः सोने की चिडिया के रूप में स्थापित कर सकते हैं. यदि हम समाज में सहिष्णुता के संकल्प के साथ कार्य कर भारतीय संस्कृति भारतीय धर्म, भारतीय ज्ञान अभी भी शास्वत है. इस अवसर पर उन्होंने पंच प्रण पर विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की.

इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. बी.के. श्रीवास्तव ने कहा कि आज के युवा के भटकाव को रोकने के लिए पंच प्रण के प्रति युवा पीढ़ी की प्रतिबद्धता की आवश्यकता है. हमें अपने भीतर निरंतर अच्छे संस्कारों को विकसित कर दूषित विचारों को अलग करना है. हमें अपने जीवन में नकारात्मक भावनाओं का दमन करना है.

कार्यक्रम का शुभांरभ करते हुये राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम शर्मा ने पंच प्रण का उद्देश्य देश के लिए आने वाले 25 वर्ष का मार्ग प्रशस्त करता है. भारत को 2047 तक भारत को विकसित देश का निर्माण करता है अतः इस हेतु गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना है. हमें अपनी विरासत पर गर्व करना है. हम सबको अपने कर्त्तव्यों का पालन करना है.

इस अवसर पर कार्यक्रम का समापन करते हुये प्रो. अनुपमा कौशिक ने कहा कि हम सब पंच प्रण संकल्पों को लेकर आगे बढे और इसके लिए अच्छे विचारों को अपनाये और नकारात्मक विचारों का परित्याग करें. इस अवसर पर उन्होंने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया. इस अवसर पर कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने पंच प्रण की शपथ ली.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नेहा निरंजन ने किया. इस अवसर पर डॉ. संजय बारोलिया, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल, डॉ. आफरीन खान, डॉ. जनार्दन, डॉ. शिव कुमार, डॉ. रनवीर सिंह, डॉ. दीपक मोदी, आकाश दुबे, आदिल मंसूरी, शोध छात्र एवं समस्त छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे.

अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित उपयोगी व सृजनात्मक वस्तुओं की प्रतियोगिता हुई आयोजित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत पेंटिंग, पोस्टर, प्रतियोगिता एवं अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित उपयोगी एवं सृजनात्मक वस्तुओं की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, प्रो. अंबिका दत्त शर्मा, डॉ संजय शर्मा रहे. इन्होने समस्त प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया. कार्यक्रम में शिक्षक डॉ. उत्सव आनंद, डॉ कंचन चौरसिया सहित विश्वविद्यालय के ललित कला एवं शिक्षाशास्त्र विभाग तथा अन्य विभागों से भी प्रतिभागी उपस्थित रहकर अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई. इस प्रदर्शनी की समन्वय ललित कला विभाग की डॉ. सुप्रभा दास एवं शिक्षाशास्त्र विभाग की डॉ. रश्मि जैन ने मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया. संपूर्ण कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता के संरक्षण में आयोजित किया गया.

विश्वविद्यालय में हुआ नाटक का मंचन

सांस्कृतिक परिषद ,डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं युग्सृष्टि थिएटर ग्रुप सागर के संयुक्त तत्वाधान में, असग़र वजाहत लिखित नाटक 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याई नई' का मंचन दिनांक 5 अक्टूबर 2024 को, सांस्कृतिक परिषद के

मुक्ताकाशी मंच पर हुआ। यह नाटक विभाजन की विभीषिका पर आधारित है। इसका निर्देशन विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र आनंद अग्रवाल ने किया, संगीत यशगोपाल श्रीवास्तव एवं प्रकाश संयोजन संजय कोरी, संजू आठिया का रहा। नाटक में आयुषी, अनुज, प्रिया, सिया, विश्वजीत, अमन, अर्पित, शुभम, दीपेन्द्र, देव, आकाश, प्रियांश, अश्विनी, यश्विनी, सागर, राहुल, तरुण, सिद्धांत, साक्षी, कृष्णा, रितिका, देवेंद्र आदि ने अपने बेजोड़ अभिनय से एवं संगीत में यश, विधान, साक्षी, पंकज, हिमांश, आलोक, ऋद्धि, गोविंद आदि ने अपनी प्रस्तुति से नाटक के कथानक को जीवंत कर दिया। प्रस्तुति के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, युग्सृष्टि समिति के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में दर्शक गण रहे। नाटक की सफल प्रस्तुति पर नाटक के मार्गदर्शक एवं सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने सभी कलाकारों को शुभकामनाएँ दी.

सांस्कृतिक परिषद् एवं जनसंपर्क कार्यालय का कुलपति ने किया उद्घाटन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक परिषद एवं जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किया गया। दोनों कार्यालय ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग परिसर में संचालित किए जा

रहे हैं. इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी एवं प्रतिभागिता सुचारु रूप से सुनिश्चित हो सकेगी. छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है. उनमें मौजूद प्रतिभाओं को निखारना एवं उनमें कौशल विकसित करना आवश्यक है. उन्होंने यह भी कहा कि जनसंपर्क किसी भी संस्थान का एक अनिवार्य एवं महत्त्वपूर्ण हिस्सा है. विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं सांस्कृतिक

गतिविधियों की जानकारी एवं सूचनाएं व्यापक स्तर पर समाज के बीच जा सकें, इसके लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि इस माध्यम से किसी भी गतिविधि की सूचनाओं का आदान-प्रदान करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने मीडिया केंद्र को आधुनिक उपकरण एवं सुविधाएं प्रदान करने का दिशा-निर्देश भी दिया ताकि विश्वविद्यालय से जुड़े लोग आसानी से गतिविधियों एवं सूचनाओं से अवगत हो सकें. इस अवसर पर प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. एसपी उपाध्याय, डॉ अलीम खान, डॉ सीपी उपाध्याय, डॉ. राकेश सोनी, डॉ आशुतोष, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रजनीश सहित कई शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे.

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक की काउंसिलिंग में सभी 30 सीटें भरीं, पात्र अभ्यर्थी पोर्टल पर जमा कर सकेंगे फीस

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम काउंसिलिंग दिनांक 07 अक्टूबर को आयोजित की गई जिसमें सभी 30 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया संपन्न कर ली गई हैं.

काउंसिलिंग में पात्र पाए गए सभी अभ्यर्थी पोर्टल के माध्यम से फीस भर सकेंगे. फीस जमा करने की लिंक प्रवेश प्रकोष्ठ द्वारा जारी की जायेगी जो विश्वविद्यालय वेबसाईट पर उपलब्ध रहेगी.

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व और मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय विद्यापरिषद के अनुमोदनोपरान्त पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2024-25 से प्रारम्भ किया गया है. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि काफी लंबे समय से इस पाठ्यक्रम की माँग की जा रही थी. यह कौशल आधारित रोजगारपरक पाठ्यक्रम है. वर्तमान समय में मीडिया प्रत्येक नागरिक के जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है. मीडिया समाज में परिवर्तन एवं विकास का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है. इसलिए यह पाठ्यक्रम युवाओं के कैरियर की दृष्टि से काफी उपयोगी सिद्ध होगा. अकादमिक क्षेत्र, इंडस्ट्री और उद्यमिता सहित कई रास्ते विद्यार्थियों के लिए खुले रहेंगे. जल्द ही नया भवन बनकर तैयार हो रहा है जो काफी आधुनिक और सुविधायुक्त है. इसका फायदा विद्यार्थियों को मिलेगा.

संस्कृत भारत की अस्मिता की पहचान करने वाली भाषा है- डॉ. मनोज पाण्डेय

संस्कृत विभाग में दस दिवसीय संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं संस्कृत भारती महाकौशल प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में दशदिवसीय संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संस्कृत विभाग के संस्कृत संभाषण कक्ष में किया गया. दिनांक 26 सितम्बर 2024 शिविर का उद्घाटन हुआ. शिविर के उद्घाटन सत्र में संस्कृत भारती के महाकौशल प्रान्त के संगठन मंत्री डॉ. मनोज पाण्डेय महोदय ने कहा कि संस्कृत भारत के अस्मिता की पहचान करने वाली भाषा का नाम है, संस्कृत का व्यावहारिक

अनुप्रयोग भारतीय मानस को अपनी मूल संस्कृति से जोड़ने का संतोष उपलब्ध कराता है. संपूर्ण भारत में संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जो सर्वत्र समाद्रत है. दशदिवसीय शिविर में संस्कृत भारती के सूचिन्तित और सुव्यवस्थित पाठ बिंदुओं का

सुरुचि पूर्ण अभ्यास शिविर में प्रतिभा करने वाले प्रतिभागियों के व्यक्तित्व में संस्कृत भाषा का सुंदर सन्निवेश कराने में समर्थ होगा, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर आनंदप्रकाश त्रिपाठी महोदय ने संस्कृत के महत्त्व को बताते हुए कहा संस्कृत देव वाणी के रूप में प्रतिष्ठित विश्व की प्राचीनतम भाषा है, हिंदू परंपरा में व्यक्ति के जीवन के आरंभ से लेकर उसकी मृत्यु पर्यंत संस्कृत भाषा का उपयोग विविध संस्कारों के माध्यम से आज भी सतत रूप से किया जाता है, संस्कृत भाषा से व्यक्ति का जीवन सुसंस्कृत होता है विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर भवतोष इन्द्रगुरु महोदय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में संस्कृत के महत्त्व को रेखांकित किया और बताया की नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा को जानने के लिए प्रत्येक विषय के विद्यार्थी को संस्कृत का ज्ञान अपेक्षित है। कार्यक्रम में संयोजक एवं संस्कृत भारती के सागर जिला अध्यक्ष डॉ. शशिकुमार सिंह महोदय ने दश दिवस तक चलने वाले संस्कृत संभाषण शिविर के पाठ चर्चा और उसमें आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों से प्रतिभागियों को परिचित कराया कार्यक्रम की संचालन कार्यक्रम का संचालन डॉ. किरण आर्या महोदया ने किया तथा डॉ. रामहेत गौतम महोदय ने आभार ज्ञापन किया। दिनाँक 7 अक्टूबर 2024 को

संस्कृत विभाग के संस्कृत सभागार कक्ष में दशदिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभा करने वाले लगभग 100 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया तथा उपहार स्वरूप ‘संस्कृत वदतु’ पुस्तक भेंट की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर आनंदप्रकाश त्रिपाठी महोदय ने प्रतिभागियों के मुख से धारा प्रवाह संस्कृत संभाषण को देखकर अत्यधिक प्रसन्नता व्यक्त की और शिविर की सफलता के

लिए आयोजकों को बधाई दी उन्होंने कहा वर्षों बाद संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन विभाग में हुआ यह शिविर प्रतिभागियों को लाभान्वित करेगा और वह यदि शिविर में कराए गए अभ्यास को सतत रूप में जारी रखेंगे तो संस्कृत भाषा

उनके व्यक्तित्व की पहचान बन जाएगी शिविर के संयोजक डॉ.शशिकुमार सिंह ने बताया कि शिविर में संस्कृत संभाषण दक्षता परीक्षा का भी आयोजन किया गया इसमें शिक्षा नायक स्नातक की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में श्री रामरतन पाण्डेय महोदय के द्वारा रु. 500 की नगद राशि से शिक्षा नायक को सम्मानित किया गया कार्यक्रम का संचालन संस्कृत माध्यम से संस्कृत विभाग के शोध छात्र गुलशन कुमार के द्वारा किया गया तथा चित्रांश कन्हौआ के द्वारा आभार ज्ञापन किया गया. इस अवसर पर संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार, डॉ. रामहेत गौतम, डॉ. किरण आर्या एवं डॉ. नौनिहाल गौतम उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय व सागर शहर में पर्यटन की असीम संभावनाएं -प्रो. नीलिमा गुप्ता

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास हेतु अनूठी पहल "घुमंतू" कार्यक्रम आरंभ

विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास हेतु एक नवाचार पहल 'घुमंतू' कार्यक्रम दिनांक 09/10/2024 से आरंभ किया गया है. कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में

स्थित विभिन्न पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाएगा. विश्वविद्यालय में विविध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों, धरोहरों एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में स्थित पांच म्यूजियम (मानवविज्ञान विभाग, जीव विज्ञान विभाग, भूगर्भशास्त्र विभाग, वनस्पति विभाग, प्राचीन इतिहास विभाग) को विकसित और प्रचारित कर उनको प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में रेखांकित किया जाएगा. इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक नया संग्रहालय वैली परिसर में स्थित नये भवन में विकसित किया जा रहा है जिसमें सैन्य एवं सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित संकलन को प्रदर्शित किया जायेगा.

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर के अलावा सागर शहर व आसपास के पर्यटन स्थानों को भी चिन्हित कर उनके विकास की योजनाओं पर विश्वविद्यालय की टीम कार्य कर रही है. इसके लिए विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं सागर शहर से प्रबुद्धजनों को शामिल कर पर्यटन विकास की समिति बनाई गई है. प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज, अध्यक्ष भूगोल विभाग को इसका अध्यक्ष बनाया गया. उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर जी को समर्पित एक विशेष संकलन कक्ष भी नये म्यूजियम में विकसित किया जा रहा है.

प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने बताया कि घुमंतू कार्यक्रम में प्रत्येक बुधवार को सुबह 6:00-7:30 बजे तक विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विधार्थी सहभागिता कर सकते हैं. यह कार्यक्रम सभी के लिये निःशुल्क रहेगा. आज

प्रारम्भ हुए घुमंतू कार्यक्रम में लगभग 60 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर मूर्ति से मिलेनियम पार्क तक का भ्रमण किया गया. आगामी दिनों में इस श्रृखंला के तहत अलग-अलग स्थानों में भ्रमण कर पर्यटन स्थलों की पहचान कर उनको आधुनिक बनाने तथा पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु सुझाव आमंत्रित किये जायेंगे. भविष्य में इसका विस्तार किया जाएगा जिसके सकारात्मक प्रभाव होंगे.

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. बी. अनुरागी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास की एक वृहद एवं विस्तृत रूपरेखा तैयार करना है जिससे विश्वविद्यालय के पर्यटनों स्थलों को विश्व स्तरीय बनाने हेतु सुझाव आमंत्रित कर इस कार्यक्रम को समृद्ध बनाना है. आगामी दिनों में इस कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यटन विकास से संबंधित विभाग में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे- क्विज काम्पीटिशन, पोस्टर प्रेजेंटेशन, पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम, पर्यटन स्थलों का मानचित्रण आदि आयोजित की जायेंगी.

श्रेष्ठ अकादमिक वातावरण हेतु अनुशासन एवं सुरक्षा के साथ तत्पर है विश्वविद्यालय- कुलपति

विश्वविद्यालय में सुरक्षा विभाग ने की सुरक्षाकर्मियों की तैनाती, सचल सुरक्षा दल गठित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारत सरकार के जेम पोर्टल द्वारा अनुमोदित और प्रदत्त सुरक्षा एजेंसी ने सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करा दिए हैं. सुरक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर उनकी तैनाती भी कर दी गई है. चाक-

चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिए सचल सुरक्षा दल का भी गठन किया गया है जो आवश्यकता पड़ने पर त्वरित सुरक्षा का कार्य करेगी. गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों से विश्वविद्यालय में सुरक्षाकर्मियों की मांग बनी हुई थी. अब यह व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि पूर्व के दो वर्षों से परिसर में उचित सुरक्षा व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा था. भारत सरकार के नियमों का पालन करते हुए सुरक्षा एजेंसी प्राप्त करने की कार्रवाई की जा रही थी. विश्वविद्यालय का वृहद् परिक्षेत्र होने के कारण दिन और रात में सुरक्षा की आवश्यकता बनी रहती है. ऐसे में भारत सरकार द्वारा निर्धारित सभी अर्हता मानकों को पूरा करते हुए एजेंसी के माध्यम से विश्वविद्यालय को सुरक्षा कर्मी मिले हैं. इससे विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन एवं सुरक्षा के साथ श्रेष्ठ अकादमिक वातावरण बनाए रखने में मदद मिलेगी.

सुरक्षा अधिकारी प्रो. राजेंद्र यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न अकादमिक एवं प्रशासनिक भवनों, छात्रावासों, विभिन्न सभागारों, आवासीय परिसरों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किये गये हैं. शैक्षणिक विभागों एवं महिला छात्रावासों में महिला सुरक्षा कर्मियों की भी तैनाती की गई है. इसके अलावा रात्रि के समय पूरे परिसर में सुरक्षा दल की पेट्रोलिंग भी की जा रही है और आवश्यक स्थानों पर सशस्त्र गार्ड भी तैनात किये गये हैं. शीघ्र ही विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय एवं अन्य आवश्यक स्थानों पर मेटल डिटेक्टर गेट भी यथाशीघ्र लगाए जायेंगे. तेज गति के वाहनों की रोक-थाम के लिए जगह-जगह निर्देश और बैरीकेड्स लगाए जाने की तैयारी चल रही है. विश्वविद्यालय में स्थित सुरक्षा कार्यालय से 24X7 सुरक्षा सेवा उपलब्ध है.

फार्मास्युटिकल साइंस विभाग के छात्र शिवम् को मिला 'बेस्ट ऑरल प्रेजेंटेशन' अवार्ड

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के फार्मेसी के शोध छात्र शिवम कुमार कोरी को 'बेस्ट ऑरल प्रेजेंटेशन' का सम्मान प्राप्त हुआ है. जी एल ए विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च में आयोजित 'इनोवेशन्स इन केमिकल, बायोलॉजिकल और फार्मास्युटिकल साइंसेज (ICBPS-2024) में ZnO को एक प्रभावी नैनो-कैटालिस्ट के रूप में प्रयोग कर 'नवीन नाइट्रोजन युक्त हेटेरोसाइक्लिक यौगिकों का सिंथेसिस: स्तन कैंसर के उपचार हेतु ट्यूबुलिन प्रोटीन को लक्ष्य करना' विषय पर ऑरल प्रेजेंटेशन दिया.

इस प्रेजेंटेशन के दौरान उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया. वे सागर, मध्य प्रदेश के निवासी हैं और मेडिसिनल कैमिस्ट्री में प्रो. सुशील कुमार काशव एवम प्रो. अस्मिता गजभिये के मार्गदर्शन में अनुसंधान कर रहे हैं. अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को उन्होंने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश कुमार पाटिल, अपने मार्गदर्शक प्रो. सुशील कुमार काशव, विभाग के सभी शिक्षकों, और अपने माता-पिता को समर्पित किया है.

अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज के पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों का प्रवेश एवं कक्षाएं आरम्भ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने भारतीय सेना के अग्निवीरों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ कर दिया है. विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से अगस्त माह से पंजीकरण प्रारम्भ कर दिए गये हैं.

शुरुआती तौर पर कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से संचालित सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन और सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरप्रेन्योरशिप में प्रवेश दिया गया है. दोनों पाठ्यक्रमों में अभी 487 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया है. इनकी संख्या अभी और बढ़ेगी.

गौरलतब है कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में भारतीय सेना के महार रेजीमेंट और विश्वविद्यालय के बीच अकादमिक समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये गये थे. इसका उद्देश्य महार रेजीमेंट के अधिकारियों, सैनिक, अग्निवीर और उनके परिवारजनों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता का उन्नयन है. इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न डिग्री एवं डिप्लोमा, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जायेगा.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना की एक इकाई के रूप में महार रेजीमेंट जहां जाबाज एवं कुशल सैनिक तैयार कर रही है वहीं एक विश्वविद्यालय के रूप में हम अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए उन्हें शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता के साथ डिग्री भी प्रदान करेंगे ताकि भारतीय सेना के जवान सेवाकालीन समय में भी

अपनी शिक्षा जारी रख सकें. दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी जवानों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है. इस माध्यम से भी सेना के जवानों को बेहतर भविष्य के लिये अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसयिक योग्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी.

कम्युनिटी कॉलेज नोडल अधिकारी प्रो. सुशील कुमार काशव ने बताया कि कम्युनिटी कॉलेज के जिन दो पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों को प्रवेश दिया गया है वह अग्निवीरों को व्यावसायिक भाषा ज्ञान में विशेष परिपक्वता प्रदान करेगा और कम लागत में उद्यमिता के लिए को प्रेरित करेगा. अग्निवीरों की कक्षाओं का संचालन महार रेजिमेंट सेंटर में ही किया जाना है. कम्युनिटी कॉलेज द्वारा भी विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है.

सुरक्षा विभाग में हुआ शस्त्र पूजा का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के सुरक्षा विभाग में विजयादशमी के शुभ अवसर पर शस्त्र पूजा का आयोजन किया गया. आयोजन में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया. पूजन उपरांत मिष्ठान्न वितरण किया गया. इस अवसर विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ केशव टेकाम, डॉ सीपी उपाध्याय, डॉ. रजनीश, डॉ विवेक जायसवाल, शंकर पटेल एवं विवि के सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे.

व्यवसाय प्रबंध विभाग में प्रोडक्ट ब्रांडिंग पर विशेष व्याख्यान और प्रश्नोत्तरी का आयोजन

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग में डॉ. रोमी सैनी, प्रोफेसर (ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट) जयपुरिया इंस्टीट्यूट के द्वारा ब्रांडिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस दौरान प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन हुआ. सत्र का प्रारंभ व्यवसाय प्रबंध विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वाय.एस. ठाकुर द्वारा किया गया, जिन्होंने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और अतिथि डॉ. रोमी सैनी का परिचय दिया.

डॉ. रोमी सैनी ने ब्रांडिंग, इसके घटक और ब्रांडिंग से संबंधित केस स्टडी के बारे में बताया तथा छात्रों के ब्रांडिंग से संबंधित जो भी प्रश्न थे उनके जबाव दिए. इससे सबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन कराया गया. व्याख्यान के अंत में उपस्थित छात्रों द्वारा डॉ. रोमी सैनी का अभिवादन किया गया. बी.बी.ए. (ऑनर्स) के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने डॉ. रोमी सैनी द्वारा दी गई जानकारी को महत्वपूर्ण बताया जो उनके भविष्य में उपयोगी होगी. इसके पश्चात श्री मयंक सिंह राजपूत (रिसर्च स्कॉलर) द्वारा व्याख्यान के लिए आभार प्रकट किया गया.

संगीत विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग एवं सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय सागर द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई. कार्यशाला में संगीत सम्बंधित सामग्री को संग्रहालय के रुप में संरक्षित करने की दिशा में पुराने भारतीय

समाचार पत्रों में प्रकाशित, संगीत संबंधित दुर्लभ आलेखों, विभिन्न पुरानी संगीत पत्रिकाओं के अंकों से छात्रों को अवगत कराया. अनेकों दुर्लभ शोध पत्रों एवं आलेखों से विद्यार्थी वर्ग लाभांवित हुआ. कार्यशाला संचालन डॉ राहुल स्वर्णकार ने किया इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो अशोक अहिरवार, श्री दामोदर अग्निहोत्री, श्री शैलेन्द्र राजपूत, श्री अरुण रैकवार, श्री सुरेंद्र गर्ग, शोधकर्ता आकाश जैन, गगन राज, तेजस पटेल, अनुकृति रावत, स्तुति खम्परिया, यश गोपाल श्रीवास्तव व विभाग के समस्त विद्यार्थी उपस्थित थे. आभार डॉ अवधेश तोमर ने माना.

विश्वविद्यालय में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024 का आयोजन 26 नवम्बर से

पहली बार मिली विवि को मेजबानी, 1500 से अधिक कलाकार करेंगे प्रतिभागिता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य

क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' का आयोजन 26 से 30 नवम्बर 2024 तक डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में आयोजित किया जा रहा है. आयोजन में देश के लगभग 70 से अधिक विश्वविद्यालयों की सहभागिता होगी और 1500 से अधिक प्रतिभागी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे.

गौरतलब है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई

दिल्ली के निर्देशन एवं संयोजन में प्रत्येक वर्ष जोनल युवा उत्सव देश के अलग-अलग विश्वविद्यालय में आयोजित किये जाते हैं. जिसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि हमारा विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा के सहयोग से प्रथम राष्ट्रीय महिला संसद आयोजित करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है जो मार्च 2023 में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था. इस बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव 2024 के आयोजन किया जा रहा है जो विश्वविद्यालय में पहली बार हो रहा है. विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान दानवीर डॉक्टर सर हरीसिंह गौर के जन्म दिवस पर उन्हें नमन करते हुए पांच दिनों तक चलने वाले इस युवा उत्सव की शुरुआत होगी.

आयोजन समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि 26 से 30 नवंबर 2024 तक चलने वाले इस युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए मध्य क्षेत्र के सभी विश्वविद्यालयों को आमंत्रण पत्र भेज दिया गया है. प्रतिभागी विश्वविद्यालय ऑनलाइन आवेदन करेंगे. इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी. सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की टीम के आवास, भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय में की जायेगी. भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा निर्धारित नियमों के तहत सभी प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी जिनमें अधिकृत निर्णायक मंडल द्वारा निर्णय किये जायेंगे. समस्त प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न आयोजन स्थलों पर आयोजित होंगे.

कम्प्यूटर साइंस के पांच छात्र यूजीसी नेट परीक्षा में सफल

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के कंप्यूटर साइंस और एप्लीकेशन विभाग के एम सी ए के छात्रों को महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है. विभाग के पांच छात्रों रूचि जैन, अमन सिंह, राकेश राना, धनंजय त्रिपाठी, साक्षी पांडे ने यूजीसी नेट

2024 की परीक्षा उत्तीर्ण की है जो सहायक प्रोफ़ेसर के पद के लिए पात्रता प्रदान करती है. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने इस सफलता पर बधाई दी है. उन्होंने कहा कि विभाग के अथक प्रयासों का यह परिणाम है और भविष्य में आने वाले छात्र इस सफलता से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में यूजीसी नेट जैसी परीक्षाओं में सफल होंगे. विभागाध्यक्ष, डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि यह पहली बार है जब इतनी संख्या में छात्रों ने नेट परीक्षा पास की. विभाग को गर्व है कि हमारे छात्र इस मुकाम पर पहुंचे है. इसके साथ ही कई अन्य छात्रों ने पीएचडी कार्यक्रमोंमें प्रवेश में भी सफलता पाई है. यह विभाग के उत्कृष्ट शैक्षणिक तैयारी का प्रमाण है.

अब 24 घंटे में पता चल सकेगी पूर्ण जीनोम सिक्वेंसिंग, बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने स्थापित किया अत्याधुनिक उपकरण

विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) तथा आरटी-पीसीआर पर पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के जैवप्रौद्योगिकी विभाग एवं सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च द्वारा अत्याधुनिक जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों पर आधारित पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ. विश्व प्रसिद्ध कंपनी थर्मो-फिशर साइंटिफिक के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस), संगर सिक्वेंसिंग और आरटी-पीसीआर जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रयोग विषय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है. यह लैब विभाग में स्थापित किया गया है जिससे किसी भी जीव-जंतु का पूर्ण जीनोम सिक्वेंसिंग पता किया जा सकेगा. अब तक मौजूद मशीनों से एक स्तरीय परीक्षण ही संभव था जिसका पूरा जीनोम पता करने के लिए महीनों या वर्षों लग जाते थे. जैव प्रौद्योगिकी विभाग में हाल ही में स्थापित किए गए एन.जी.एस उपकरण सहित तीन अत्याधुनिक उपकरणों पर होने वाले इस प्रशिक्षण में थर्मोफिशर साइंटिफिक के विषेशज्ञ डॉ. विशाल धर और डॉ नवीन मुख्य प्रशिक्षक हैं. इसके साथ ही इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग से पधारे प्रोफेसर डॉ. अरूप आर्चायजी रीयल-टाइम पीसीआर और प्रोटीओ-जीनोमिक्स विषय पर विषेश प्रशिक्षण प्रदान करेंगे.

विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में उद्घाटन समारोह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि फार्मेसी विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक प्रो. एस.पी. व्यास रहे. उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला कृषि एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी, जिससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में होने वाली बीमारियों के कारणों को आसानी से समझा जा सकता है. साथ ही कृषि को प्रभावित करने वाले विभिन्न सूक्ष्म जीवों के सम्पूर्ण जिनोम सिक्वेंस का पता लगा कर उनसे लड़ने के तरीकों को खोजा जा सकता है. कार्यशाला के संयोजक डॉ. सी. पी. उपाध्याय (असिंटेन्ट प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग)

ने बताया कि यह कार्यशाला डीबीटी बिल्डर प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित की जा रही है, जिसमें सभी ऑफलाइन एवं ऑनलाइन विद्यार्थियों को एनजीएस और क्यूआरटीपीसीआर के बारे में जानकारी और प्रशिक्षण दिया जा रहा है. कार्यशाला में आठ राज्यों से ऑफलाइन एवं ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं. कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ आर.के कोइरी (असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणीशास्त्र विभाग) हैं. विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की यह पहल भारत में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी.

कार्यशाला में स्वागत भाषण प्रो. हेरेल थॉमस एवं विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. वर्षा शर्मा ने दिया. इस अवसर पर प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. यू के पाटिल, डॉ. मोहन टी ए, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. योगेश भार्गव, डॉ. देवांशी एवं विभिन्न विज्ञान विभागों के शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित थे.

विश्वविद्यालय में गौर उत्सव मेले में उमड़ी भीड़, लोगों ने खरीदी मनपसंद वस्तुएं

आचार्य शंकर भवन में आयोजित है मेला, 22 अक्टूबर को भी 11 से 06 बजे तक चलेगा

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के महिला क्लब द्वारा विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में गौर उत्सव मेला का आयोजन किया जा रहा है. यह मेला 21 से 22 अक्टूबर तक चलेगा. मेला दोनों दिन 11 बजे से 06 बजे तक चलेगा. मेले में

दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगे हैं. पहले दिन विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के परिवार जनों एवं शहरवासियों की अच्छी खासी बीद रही.

इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, अभिलाषा दुर्गवंशी, देवांशी उपाध्याय, सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे.

महिला उद्यमिता से बढ़ेगी आत्मनिर्भरता- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय में आयोजित गौर उत्सव मेले में दूसरे दिन भी लोगों ने खरीदी की

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर के महिला क्लब द्वारा विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में दो दिवसीय गौर उत्सव मेला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं सागर शहर की

महापौर श्रीमती संगीता तिवारी ने मेले का भ्रमण किया. उन्होंने कहा कि महिलाओं का उद्यमी होना समाज के लिए सुखद संकेत हैं. आत्मनिर्भरत भारत के लिए महिलाओं का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है. उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया एवं वस्तुएं भी खरीदीं. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगे थे. लगभग सभी स्टाल महिलाओं द्वारा लगाए गये थे. विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के परिवार जनों एवं शहरवासियों ने मेले में पहुंचकर अपने पसंद की सामग्री खरीदी.

इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी, देवांशी उपाध्याय, सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे.

गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विश्व सांख्यिकी दिवस का आयोजन

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विश्व सांख्यिकी दिवस का आयोजन किया गया. विभागाध्यक्ष प्रो. दिवाकर शुक्ला ने इस मौके पर अपने व्याख्यान में डाटा साक्षरता पर व्याख्यान देते हुए आकड़ों की

सटीकता, उनका संग्रह एवं उपयोगिता के महत्व पर बल दिया. उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सोना एवं पेट्रोल से भी ज्यादा महंगा एवं उपयोगी कोई है तो वह डाटा है जिसकी विश्वव्यापी मांग है. डाटा के द्वारा ही भविष्य की योजनायें बनायी जाती हैं. कार्यक्रम में बी.एस.सी. एवं एम.एस.सी. सांख्यिकी के विद्यार्थियों ने भाग लिया. कार्यक्रम में सांख्यिकी क्विज प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता तथा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. लगभग 70 से अधिक विद्यार्थियों ने रूचि पूर्वक उपस्थिति दर्ज की. कार्यक्रम का संचालन स्पर्धा वाडेकर, स्नेहा जैन, हर्ष प्रजापति एवं विनम्र तिवारी ने किया. कार्यक्रम में डॉ. यू.के. खेडलेकर, डॉ. आर.के. पाण्डेय, डॉ. एम.के. यादव, डॉ. आयुष गुप्ता, डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. भूपेन्द्र तथा शिवानी खरे उपस्थित थी. विद्यार्थीगणों में सौरभ पाण्डेय, कुशाग्र सोलंकी, सुमित नामदेव, मोहन दास प्रजापति, नियुक्ति ऐडे, लक्ष्मी प्रजापति, महिमा चौबे, आस्था जैन, शुभांगी असाटी, शिवानी चौरसिया, साक्षी गौतम, दीप्ति साहू, काजल शर्मा, निधि यादव, निधि ठाकुर, रमेश कुमार केसरी, आयूषी, शिवम चौरसिया, जय नारायण आदि उपस्थित थे.

व्यवसाय प्रबंधन विभाग और म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जैव चिकित्सा कचरा प्रबंधन पर संगोष्ठी आयोजित

डॉक्टर हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के व्यवसाय प्रबंधन विभाग एवं मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त

तत्वाधान में 22 अक्टूबर 2024 को जैव चिकित्सा कचरा प्रबंधन पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों और व्यवसाय जगत को एक मंच पर लाकर जैव चिकित्सा कचरे के उचित प्रबंधन, निपटान और नियमन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना एवं छात्रों को उचित मार्गदर्शन देना था.

संगोष्ठी में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विशेषज्ञ, पर्यावरण कार्यकर्ता और व्यवसाय प्रबंधन विभाग के शैक्षणिक विशेषज्ञ ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किये. कार्यक्रम में डॉ बबीता यादव, डॉ सुमित वालिया, श्री भूपेंद्र सिंह, डॉ विनय राज एवं शोधार्थी आदि उपस्थित रहे. संगोष्ठी में सम्मिलित होने वाले सभी लोगों को आयोजको द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई. व्यवसाय प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष, वरिष्ठ प्रोफेसर वाय. एस. ठाकुर ने कहा कि "जैवचिकित्सा कचरा प्रबंधन एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है, और इसे व्यवसायों, नियामकों और स्वास्थ्य संस्थानों के संयुक्त प्रयास की आवश्यकता है. यह संगोष्ठी अधययनरत छात्र छात्राओं को ज्ञान आदान-प्रदान करने और एक स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए मार्ग बनाने का अवसर है. श्री के.पी.सोनी, म.प्र. पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी, ने कहा कि हमारा लक्ष्य छात्रों में जागरूकता बढ़ाना और मजबूत नियमों को लागू करना है ताकि जैवचिकित्सा कचरे का जिम्मेदारी से प्रबंधन हो सके, जिससे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा हो सके. व्यवसाय प्रबंधन विभाग में सहायक प्रो. डॉ. प्रेरणा जैन ने कहा कि पर्यावरणीय स्थिरता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, इस संगोष्ठी का उद्देश्य जैवचिकित्सा कचरा प्रबंधन की चुनौतियों को छात्र-छात्रो को समझाना और भविष्य में व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम बनाना है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य नियामक निकायों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और व्यवसाय समुदाय के वीच सहयोग को बढ़ावा देना था. ताकि प्रदेश एवं देश में जैवचिकित्सा कचरे के प्रबंधन के लिए स्थायी रणनीतियाँ विकसित की जा सकें संगोष्ठी आयोजित करने में एमवीए हेल्थकेयर एण्ड हॉस्पिटल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने अहम भूमिका निभाई जिसमें भी डॉ. आशीष शर्मा, दीपाली पटेल, सादगी एवं डॉ. समृद्ध शर्मा का योगदान सराहनीय रहा. संगोष्ठी में सम्मिलित होने वाले सभी लोगों को आयोजको को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए.

महिलाओं के स्वास्थ्य पर सर्वेक्षण अत्यावश्यक: प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय में महिला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रविधि पर प्रशिक्षण शोधशक्ति कार्यशाला का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में विद्यार्थियों के कौशल उन्नयन में नवाचार की कड़ी में जनसंख्या अनुसंधान केंद्र द्वारा महिला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रविधि पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है.

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन किया गया. कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि महिला स्वास्थ्य की वैश्विक विषमताओं से उत्पन्न नई चुनौतियों के बारे में और अधिक शोध किये जाने की आवश्यकता है. भारत जैसे बहु पारंपरिक सामाजिक परिवेश में महिला स्वास्थ्य की असमानता और सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की

कठिनाइयां विद्यमान है. इसके उपायों को विस्तृत रूप में जानने के लिए शोध दक्षता उन्नयन अत्यावश्यक है. कुलपति ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक पद्धति से सर्वेक्षण के बारे में विश्वविद्यालय की छात्राओं के कौशल विकास के तहत इस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन महत्वपूर्ण है. विश्वविद्यालय की शोध परंपरा में इस नवाचार से शोध के इस आयाम से विद्यार्थियों के लिए नए अवसर भी उत्पन्न होंगे. इस तरह के प्रशिक्षण से विभिन्न सर्वेक्षणों के लिये आवश्यक मानव संसाधन की कमी को पूरा किया जा सकेगा.

इस विमोचन अवसर पर जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के मानद निदेशक प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज तथा डॉ. निखिलेश परचुरे उपस्थित थे. केंद्र के निदेशक, प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला में कुल 30 प्रशिक्षणार्थी भाग लेंगे. प्रशिक्षण हेतु सामाजिक एवं अनुप्रयोगिक विभागों की छात्राओं को रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य होगा. रजिस्ट्रेशन की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है. इस प्रशिक्षण में महिला स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों, सर्वेक्षण की विधियों और सर्वेक्षण की तकनीक के बारे में विस्तार से बताया जाएगा. प्रशिक्षणार्थी इसके माध्यम से महिला स्वास्थ्य के संवेदनशील आयामों पर शोध सर्वेक्षण तकनीक को सीख सकेंगे.

इस सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में दिनांक 4 से 7 नवंबर तक सैद्धांतिक प्रशिक्षण, 8 से 10 नवंबर प्रायोगिक प्रशिक्षण और 18 नवंबर को कार्यशाला का समापन होगा. प्रशिक्षणार्थी इस कार्यशाला में समूह प्रजेंटेशन देंगे. इस प्रशिक्षण से प्राप्त निष्कर्षों का प्रस्तुतीकरण कार्यशाला के समापन अवसर पर किया जाएगा.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई.

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में केन्द्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में 28 अक्टूबर 2024 से 03 नवम्बर 2024 तक विश्वविद्यालय में "सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024" आयोजित किया जा रहा है.

जिसकी थीम "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" है. इसी क्रम में 28 अक्टूबर 2024 को पूर्वान्ह 11:00 बजे, प्रशासनिक भवन के सामने माननीय प्रभारी कुलपति प्रो. वाय. एस. ठाकुर द्वारा सभी विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को सत्य निष्ठा की शपथ दिलाई. उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो. ए पी मिश्रा, प्रो. अजीत जयसवाल, प्रो. ए एन शर्मा, लाइब्रेरियन डॉ मोहन टी ए, डॉ. एस.पी उपाध्याय, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेन्द्र गादेवार, समर्थ दीक्षित एवं कर्मचारियों सहित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही.

फार्मास्युटिकल साइंस के नए क्षेत्रों में शोध के लिए नाईपर अहमदाबाद से अकादमिक साझेदारी महत्त्वपूर्ण कदम : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय और नाईपर अहमदाबाद के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

आज नाईपर अहमदाबाद में आयोजित एक विशेष एमओयू साइनिंग सेरेमनी में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर और राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), अहमदाबाद के बीच एमओयू साईन किया गया. उक्त सेरेमनी में

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता एवं नाईपर अहमदाबाद के डायरेक्टर प्रोफेसर शैलेन्द्र सराफ ने एमओयू दस्तावेज पर हस्ताक्षर किये. इस अवसर पर फार्मेसी के विभागाध्यक्ष प्रो यू.के. पाटिल और नाईपर अहमदाबाद के रजिस्ट्रार डॉ अवधेश नौटियाल, अधिष्ठाता डॉ अक्षय श्रीवास्तव सहित प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे. इस एमओयू का प्रमुख उदेश्य फार्मेसी शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में समसामयिक शोध विषयों पर दोनों संस्थानों में उपलब्ध विशेषज्ञताओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को शेयर करना एवं नवाचार आधारित फार्मेसी शोध को क्रियान्वित करना है.

इस एमओयू के अन्तर्गत हर्बल फॉर्मूलेशन, ड्रग डिलिवरी सिस्टम, मेडिसिनल केमिस्ट्री, कम्प्यूटर ऐडेड ड्रग डिजाइन, फार्मास्युटिकल बायोटेकनोलोजी के क्षेत्र में साझा शोध को विशेष महत्व दिया जाएगा.

----//----

खबरों में विश्वविद्यालय

भोपाल, मंगलवार, 01 अक्टूबर, 2024 03

स्वच्छ परिसर एवं स्वस्थ परिसर की मुहिम के साथ कार्य करेगा विश्वविद्यालयः कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

जनचिंगारी- गजेंद्र ठाकुर

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर स्वच्छता अभियान स्पेशल कैंपेन 4.0 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में आज विश्वविद्यालय स्वच्छता मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया गया. शिविर में कुलपति एवं कुलसचिव का स्वागत विश्वविद्यालय के स्वच्छता कर्मियों द्वारा किया गया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना करते हुए इस शिविर को स्वस्थ विश्वविद्यालय बनाने का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि अपने आस-पास के परिसर को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। विश्वविद्यालय अपनी जिम्मेदारी और भूमिका का निर्वहन करते हुए इस तरह का प्रीवेंटिव स्क्रीनिंग शिविर लगातार चलाएगा। भारत सरकार के भी इस संबंध में दिशा निर्देश हैं कि हम शैक्षणिक संस्थान होने के नाते अपने सफाई मित्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें. कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्यायने कहा कि सफाई मित्र हमारी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग हैं।

स्वच्छ परिसर व स्वस्थ परिसर की मुहिम के साथ कार्य करेगा विश्वविद्यालयः कुलपति

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर स्वच्छता अभियान स्पेशल कैंपेन 4.0 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में आज विश्वविद्यालय स्वच्छता मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया गया। शिविर में कुलपति एवं कुलसचिव का स्वागत विश्वविद्यालय के स्वच्छता कर्मियों द्वारा किया गया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना करते हुए इस शिविर को स्वस्थ विश्वविद्यालय बनाने का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि अपने आस-पास के परिसर को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। विश्वविद्यालय अपनी जिम्मेदारी और भूमिका का निर्वहन करते हुए इस तरह का प्रीवेंटिव स्क्रीनिंग शिविर लगातार चलाएगा। भारत सरकार के भी इस संबंध में दिशा निर्देश हैं कि हम शैक्षणिक संस्थान होने के नाते अपने सफाई मित्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें। कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने कहा कि सफाई मित्र हमारी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं प्रभारी स्वास्थ्य केंद्र डॉ अभिषेक कुमार जैन ने सभी सफाई मित्रों को शिविर की जानकारी दी एवं कई स्वास्थ्य योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना मिशन इंद्रधनुष आदि के बारे में बताया। शिविर में 64 मरीजों का परीक्षण किया गया।

परेड मंदिर में किया गया श्रमदान

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के 3 एमपी सिग्नल कंपनी एनसीसी के कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें 250 लोगों ने भाग लिया। परेड मंदिर में सफाई अभियान चलाया। परिसर में वाहन पार्किंग, कचरा न फेंकने और उचित जगह पर कचरा फेंकने के लिए डिस्प्ले बोर्ड एवं अन्य आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। कुलपति कर्नल प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि अपने आस-पास के परिसर को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। विश्वविद्यालय अपनी सामाजिक जिम्मेदारी और भूमिका का निर्वहन करते हुए इस तरह का अभियान लगातार चलाएगा। संचालन में एएनओ लेफ्टिनेंट गौतम प्रसाद, जेसीओ सूबेदार टापा, नायब सूबेदार जरनल और एनसीओ सीएचएम आइएम शर्मा ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रो. डीके नेमा, प्रो. सुशील काशव, डॉ. एस पी उपाध्याय, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. गौतम प्रसाद, राहुल गोस्वामी, इंजी सिंघई आदि मौजूद रहे।

विवि कार्यान्वयन समिति की 46वीं तिमाही बैठक

राजभाषा यात्रा पर तैयार होगा वृत्तचित्रः कुलगुरु

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. विश्वविद्यालयीन कार्यान्वयंन समिति की 46वीं तिमाही बैठक सोमवार को हुई। बैठक में हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के लिए कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने राजभाषा प्रकोष्ठ की सराहना की।

उन्होंने कहा कि राजभाषा यात्रा पर वृत्तचित्र तैयार होगा। उन्होंने बताया कि राजभाषा हिन्दी का विकास तभी संभव है जब हम अन्य भारतीय भाषाओं के विकास पर भी समुचित ध्यान दें। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय ने डॉ. हरिसिंह गौर विवि के राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न रोचक व अभिनव गतिविधियों को देश के अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी दोहराए जाने की अनुशंसा की है जो कि हमारे विवि के लिए गौरव की बात है। राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने अवगत कराया कि विवि में बहुभाषिक कार्य-संस्कृति के विकास के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ निरंतर प्रयासरत है। बैठक में प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, प्रो. वायएस ठाकुर, प्रो. आनंद प्रकाश मिश्र, प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी, दीपक कुमार शाक्य, ब्रजभूषण सिंह, राजकुमार पाल, सचिन सिंह गौतम, रुपेन्द्र चौरसिया, राहुल गिरी गोस्वामी आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

‘राजभाषा यात्रा’ पर तैयार होगा वृत्तचित्र : गुप्ता

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न, हिन्दी पखवाड़ा-2024 के आयोजन हेतु कुलगुरू ने की राजभाषा प्रकोष्ठ की सराहना

सागर, आचरण संवाददाता।

विश्वविद्यालय की ‘राजभाषा यात्रा’ पर तैयार होगा वृत्तचित्र यह बात कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने यह कथन विश्वविद्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 46वीं तिमाही बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिया। उन्होंने आगे बताया कि यह वृत्तचित्र राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में हमारे विश्वविद्यालय में किए जा रहे प्रयासों का एक समेकित दस्तावेज होगा। उन्होंने बताया कि राजभाषा हिन्दी का विकास तभी संभव है जब हम अन्य भारतीय भाषाओं के विकास पर भी समुचित ध्यान दें। बहुभाषिकता वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने समस्त सदस्यों को अवगत कराया कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न रोचक एवं अभिनव गतिविधियों को देश भर के अन्य शैक्षणिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में भी दोहराए जाने की अनुशंसा की है जो कि इस विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। इस उपलब्धि के लिए तथा राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा सितम्बर माह में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के समस्त सदस्यों की सराहना कर उत्साहवर्धन किया। समिति के सदस्य-सचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने हिन्दी पखवाड़ा-2024 के सफल आयोजन हेतु कुलगुरू महोदया की प्रेरणा एवं सतत मार्गदर्शन हेतु राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने बैठक के दौरान समस्त सदस्यों को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में बहुभाषिक कार्य-संस्कृति के विकास हेतु राजभाषा प्रकोष्ठ निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि कुलगुरू महोदया की प्रेरणा से विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र इकाई के रूप में भारतीय भाषा प्रकोष्ठ का गठन भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में कार्मिकों के प्रशिक्षण एवं राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। बैठक में प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, प्रो. वाय.एस. ठाकुर, प्रो. आनंद प्रकाश मिश्र, प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी, दीपक कुमार शाक्य, ब्रजभूषण सिंह, राजकुमार पाल, सचिन सिंह गौतम, रूपेन्द्र चौरसिया, राहुल गिरी गोस्वामी, डॉ. मोहन टी.ए., श्रीमती ए. लक्ष्मी, आशीष कुमार तिवारी, डॉ. संजय शर्मा, मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल, राजभाषा प्रकोष्ठ से विनोद रजक एवं अन्य शिक्षक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया।

प्रो.अस्मिता पुरस्कार से सम्मानित

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि की प्रो. अस्मिता गजभिये पाटिल को फार्मास्युटीकल रसायन विज्ञान में उत्कल यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर में आयोजित एपटीकॉन- 2024 में अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए एपीटीआई का प्रोफेसर एलवीजी नारगुंड पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उनकी समर्पित अनुसंधान गतिविधियों और फार्मास्युटीकल रसायन विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया। इस उपलब्धि पर कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता, विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश पाटिल, प्रो. वंदना सोनी, प्रो. सुशील एवं सेवानिवृत्त प्रो. वीके दीक्षित ने बधाई दी।

कुलपति द्वारा सफाई कर्मियों को प्रदान की गई सुरक्षा किट

दबंग बुन्देलखंड

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय के शंकर भवन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने समस्त सफाई कर्मियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। जिसमें सभी ने कम से कम प्रतिवर्ष 100 घंटे स्वच्छता गतिविधि में भाग लेने का संकल्प लिया। शिविर में उपस्थित समस्त सफाई कर्मियों को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा सुरक्षा किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कर्मचारियों को कैसे कार्य करते समय सुरक्षित रहना है। उन्होंने कहा कि समाज के नागरिक होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है। अपने आस-पास के परिसर को स्वच्छ बनाये रखना। विवि भी अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इस तरह के अभियान का हिस्सा बनेगा और स्वच्छता जागरूकता अभियान और गतिविधि में संलग्न रहेगा। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा भी की। शिविर में डॉ संजय शर्मा, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. उत्सव आनंद, डॉ. अभिषेक कुमार जैन, डॉ. भूपेंद्र पटेल सहित शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में हुआ विशेष व्याख्यान, सांसद लता वानखेड़े का सम्मान

गाँधी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक विकृतियों को दूर करने का लें संकल्पः सांसद

विजय मत, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गाँधी पथ' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें सागर संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद डॉ. लता वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वे अपना परिचय गौर नगरी सागर से ही देती हैं। डॉ. गौर की कर्मभूमि और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर की ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है। उन्होंने कहा कि गांधी जी विचारों को प्रतिपादित करने का कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत का संकल्प लिया और आज पूरे देश में स्वच्छता को लेकर एक मुहिम चल पड़ी है। मध्य प्रदेश को स्वच्छता में चौथी बार अवार्ड मिला है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। हम सब गांधी जी के मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित हैं। पहले सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा रहता था। खासतौर पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं थी लेकिन गांधी जी के विचार और माननीय प्रधानमंत्री के संकल्प ने पूरे देश में महिलाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य केवल बाहरी तौर पर स्वच्छता करना ही नहीं है बल्कि हमें अपने मन, वचन और कर्म में भी स्वच्छता लाने के लिए संकल्पित होना चाहिए। आज देश के अधिकांश युवा वैचारिक भटकाव और बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सही और आदर्श रास्ते पर चलना सिखाएं। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण स्वच्छता है। इसलिए हमें इसके लिए सामाजिक विकृतियों को दूर करने का संकल्प लेना होगा। समाज में अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध खड़े हों और सबका सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। कार्यक्रम में कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, बुन्देली पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि एक पुरा छात्र जो आज सागर क्षेत्र की सांसद हैं उनको सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय गौरव महसूस कर रहा है। डॉ. गौर के इस मंदिर से नायाब हीरे निकले हैं जिसमें एक हमारी सांसद भी हैं। डॉ. गौर की बगिया के फूल पूरे विश्व में अपनी खुशबू बिखेर रहे हैं। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि उन्होंने डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के मंदिर से शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र की सांसद होने के नाते और विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा होने के नाते इस विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए वे अपना हर संभव सहयोग देंगी। उन्होंने कहा कि सागर, बुंदेलखंड सहित इस अंचल के नागरिक डॉ. गौर के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं। उनका योगदान अमूल्य है। स्वयं एक सांसद के रूप में मैं लगातार प्रयास कर रही हूँ कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले लेकिन इसके साथ ही सामूहिक स्तर पर भी प्रयास होने चाहिए और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की भी इसमें बड़ी भूमिका भी आवश्यक है। सबके प्रयास से ही डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने में हम जरूर सफल होंगे। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर ही हमारा देश आजाद हुआ था। सादगी में उनकी अटूट आस्था थी। उनके आदर्श, मूल्य और विचार चिर प्रासंगिक रहेंगे। स्वच्छता को लेकर उनके विचार हमें प्रेरणा देते है।

विश्वविद्यालयः स्वच्छता कैंपेन 4.0 के तहत कुलपति ने दिलाई स्वच्छता शपथ

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में दिनांक 23 सितंबर 2024 को शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय के शंकर भवन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने समस्त सफाई कर्मियों को स्वच्छता शपथ दिलाई जिसमें सभी ने कम से कम प्रतिवर्ष 100 घंटे स्वच्छता गतिविधि में भाग लेने का संकल्प लिया। शिविर में उपस्थित समस्त सफाई कर्मियों को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा सुरक्षा किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कर्मचारियों को कैसे कार्य करते समय सुरक्षित रहना है। विवि भी अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इस तरह के अभियान का हिस्सा बनेगा और स्वच्छता जागरूकता अभियान और गतिविधि में संलग्न रहेगा। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा भी की. शिविर में डॉ संजय शर्मा, डॉ राकेश सोनी, डॉ उत्सव आनंद, डॉ अभिषेक कुमार जैन, डॉ भूपेंद्र पटेल सहित शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विवि में हुआ गांधी जयंती पर विशिष्ट व्याख्यान एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान

गाँधी जी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक विकृतियों को करें दूर : वानखेड़े

सुमन प्रकाश ■ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर 2024 के अवसर पर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का गाँधी पथ' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें सागर संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद डॉ. लता वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि अपनी शिक्षा स्थली डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आकर वे गौरवान्वित एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वे अपना परिचय गौर नगरी सागर से ही देती हैं। डॉ. गौर की कर्मभूमि और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर की ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है। उन्होंने कहा कि गांधी जी विचारों को प्रतिपादित करने का कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत का संकल्प लिया और आज पूरे देश में स्वच्छता को लेकर एक मुहिम चल पड़ी है। मध्य प्रदेश को स्वच्छता में चौथी बार अवार्ड मिला है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। हम सब गांधी जी के मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित हैं। पहले सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा रहता था। खासतौर पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं थी लेकिन गांधी जी के विचार और माननीय प्रधानमंत्री के संकल्प ने पूरे देश में महिलाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य केवल बाहरी तौर पर स्वच्छता करना ही नहीं है बल्कि हमें अपने मन, वचन और कर्म में भी स्वच्छता लाने के लिए संकल्पित होना चाहिए। आज देश के अधिकांश युवा वैचारिक भटकाव और बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सही और आदर्श रास्ते पर चलना सिखाएं। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण स्वच्छता है। इसलिए हमें इसके लिए सामाजिक विकृतियों को दूर करने का संकल्प लेना होगा। समाज में अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध खड़े हों और सबका सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह और बुन्देली पगड़ी से किया सांसद का सम्मान

कार्यक्रम में कुलपति ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, बुन्देली पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का सम्मान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि एक पुरा छात्र जो आज सागर क्षेत्र की सांसद हैं उनको सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय गौरव महसूस कर रहा है। डॉ. गौर के इस मंदिर से नायाब हीरे निकले हैं जिसमें एक हमारी सांसद भी हैं।

कुलपति ने सफाई कर्मियों को प्रदान की सुरक्षा किट

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के शंकर भवन में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने समस्त सफाई कर्मियों को स्वच्छता शपथ दिलाई जिसमें सभी ने कम से कम प्रतिवर्ष 100 घंटे स्वच्छता गतिविधि में भाग लेने का संकल्प लिया। शिविर में उपस्थित समस्त सफाई कर्मियों को कुलपति ने सुरक्षा किट का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को कैसे कार्य करते समय सुरक्षित रहना है। समाज के नागरिक होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है अपने आसपास के परिसर को स्वच्छ बनाये रखना। विवि भी अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुये इस तरह के अभियान का हिस्सा बनेगा और स्वच्छता जागरूकता अभियान और गतिविधि में संलग्न रहेगा। शिविर में डॉ. संजय शर्मा, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. उत्सव आनंद, डॉ. अभिषेक कुमार जैन, डॉ. भूपेंद्र पटेल सहित शिक्षक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विवि में अब 102 सुरक्षा कर्मी तैनात
वाकी टाकी, पेट्रोलिंग की देंगे सुविधा

सुरक्षा ● निजी एजेंसी के महिला गार्ड सहित सशस्त्र गार्ड रहेंगे तैनात

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः

डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि की सुरक्षा व्यवस्था अब निजी एजेंसी के हाथों में होगी।इसके लिए विवि एजेंसी को करीब तीन करोड़ रुपये सालाना चुकाएगी। विवि द्वारा निविदा जारी कर एक साल के लिए विवि कैम्पस की सुरक्षा दिल्ली की निजी एजेंसी को दिया है। एक अक्टूबर से कंपनी के 102 महिला, पुरुष सुरक्षा कर्मियों ने पूरे कैम्पस की सुरक्षा अपने हाथों में ले ली। इसके साथ ही अब सुरक्षा की दृष्टी से विवि परिसर में कई नए प्वाइंट भी बनाए गए हैं। जिसके तहत अब घाट रोड मनोरमा कालोनी के सामने मुख्य गेट पर सुरक्ष चौकी भी बनाई जाएगी। निजी एजेंसी विवि को महिला सुरक्षा कर्मी भी उपलब्ध कराएगी।

विवि परिसर में खड़े नई सुरक्षा एजेंसी के गार्ड। ● नवदुनिया

दरअसल विवि में राज्यीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा वर्ष 2018-19 से अपनी सेवाएं वापस ले ली गई थी, जिसके बाद से विवि द्वारा लगातार तीन बार टेंडर जारी कर सुरक्षा के लिए एजेंसियों को बुलाया गया, लेकिन विवि के नियम, शर्तों को पूरा न कर पाने के कारण निविदा प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही थी। पिछले दिनों ही दिल्ली की आरडी एक्सीलेंस कंपनी का विवि की सुरक्षा के लिए चयन किया गया। कंपनी द्वारा विवि को कुल 102 सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराए गए हैं, जिसमें 24 महिलाएं और 12 सशस्त्र बल है। यह सुरक्षा कर्मी पूरे विवि परिसर के युवक, युवती छात्रावासों, आवासीय परिसर, साइंस और आर्ट ब्लाक, नौनो बिल्डिंग, गौर भवन, घाट रोड, खेल ग्राउंड, मुख्य प्रशासनिक भवन, पतंजलि भवन सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर तीन शिफ्टों में अलग-अलग तैनात रहेंगे।

मुख्य कार्यालय में जांच के बाद प्रवेशः मुख्य प्रशासनिक भवन में अब चेकिंग के बाद ही प्रवेश दिया जाए। किसी भी आपत्ति जनक वस्तु या हथियार आदि की चेकिंग के लिए आधुनिक मशीन लगाई जाएगी। इसके अलावा एजेंसी द्वारा सुरक्षा कर्मियों में संवाद स्थापित करने वाकी-टाकी की सुविधा भी दी जाएगी। विवि कैम्पस में सतत निगरानी के लिए एक पेट्रोलिंग वाहन भी रहेगा, जो 24 घंटे विवि परिसर का भ्रमण करेगा। वहीं घाट रोड़ के प्रवेश द्वारा पर एक सुरक्षा चौकी बनेगी, जिसमें एजेंसी के गार्ड तैनात रहेंगे।

विवि के सुरक्षाकर्मी भी रहेंगे तैनातः एजेंसी के अलावा विवि में करीब 60 सुरक्षा कर्मी भी परिसर में अपनी सेवाएं देंगे। इनकी ड्यूटी अलग रहेगी। सुरक्षा अधिकारी शंकर पटेल ने बताया कि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को समझाने के लिए अभी नई एजेंसी को सहयोग किया जा रहा है। नई एजेंसी में अधिकांश सुरक्षा गार्ड स्थानीय भर्ती के माध्यम से ही लिए गए हैं। दो दिन विवि परिसर में ही भर्ती चली है, जिसके तहत सुरक्षा कर्मियों को कुल 12 हजार रुपये महीना, जिसमें दो हजार रुपये सुरक्षा निधि काटने की बात कही गई है। वहीं यूनिफार्म का खर्च गार्ड से ही लिया जाएगा।

विवि में पत्रकारिता के स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग 7 को

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में नए शुरू किए गए पत्रकारिता एवं जनसंचार के 3 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग 7 अक्टूबर को होगी। कुल 30 सीटों पर विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे। काउंसिलिंग टीचिंग लर्निंग सेंटर में होगी। रिपोर्टिंग समय सुबह 10 से 11 बजे तक का है। इसमें प्रवेश के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट जरूरी नहीं है। इसके अलावा हाल ही में शुरू किए गए डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और यूजी-पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया भी चल रही है। सर्टिफिकेट इन थिएटर म्युजिक के एक वर्षीय पाठ्यक्रम और सर्टिफिकेट इन क्लासिकल इंडियन डांस कथक के एक वर्षीय पाठ्यक्रम की 10-10 सीटों पर प्रवेश के लिए पंजीयन 5 अक्टूबर की रात 12 बजे तक होंगे। जबकि मास्टर ऑफ आर्ट इंडियन नॉलेज सिस्टम की 20 सीटों पर प्रवेश के लिए 6 अक्टूबर की रात 12 बजे तक पंजीयन होंगे। पंजीयन की लिंक डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, परिवहन एवं स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने की कुलपति से सौजन्य भेंट

▸ सागर, संवाददाता (प्रदेश वॉच)।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में मध्य प्रदेश सरकार में परिवहन एवं स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से सौजन्य भेंट की. गौर भवन में भेंट के दौरान उन्होंने कुलपति से विश्वविद्यालय की प्रगति एवं गतिविधियों पर चर्चा की. उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा किया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर जैसे महादानी द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र होने के नाते विश्वविद्यालय के विकास एवं प्रगति की कामना करता हूँ. उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विकास के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया. श्री सिंह नर्मदापुरम संसदीय क्षेत्र के सांसद रह चुके हैं और वर्तमान में गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं. वर्तमान में वे मध्य प्रदेश सरकार में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री हैं. भेंट के दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों ने भी विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में बताया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, प्रो. हेरेल थॉमस, प्रो. डी. के नेमा, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. एस पी उपाध्याय, प्रवीण राठौर एवं समर्थ दीक्षित उपस्थित थे।

सागर 05-10-2024

दैनिक भास्कर

विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विकास के लिए हर संभव सहयोग करूंगाः मंत्री

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मध्यप्रदेश सरकार के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से भेंट की। गौर भवन में भेंट के दौरान उन्होंने कुलपति से विश्वविद्यालय की प्रगति एवं गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा किया। मंत्री ने कहा डॉ. गौर जैसे महादानी द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र होने के नाते विश्वविद्यालय के विकास एवं प्रगति की कामना करता हूं। विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विकास के लिए हर संभव सहयोग भी करूंगा। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों ने भी विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में बताया। इस मौके पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा, प्रो. हेरेल थॉमस, प्रो. डीके नेमा, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. एसपी उपाध्याय, प्रवीण राठौर, समर्थ दीक्षित आदि मौजूद थे।

कबाड़ से जुगाड़ कर बनाई उपयोगी वस्तुएं

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डा. हरीसिंह गौर विवि के आचार्य शंकर भवन में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत पेंटिंग, पोस्टर, प्रतियोगिता एवं अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित उपयोगी एवं सृजनात्मक वस्तुओं की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, प्रो. अंबिका दत्त शर्मा, डा. संजय शर्मा रहे। कार्यक्रम में शिक्षक डा. उत्सव आनंद, डा. कंचन चौरसिया सहित विवि के प्रतिभागीयों ने उपस्थित रहकर अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई। इस प्रदर्शनी की समन्वय ललित कला विभाग की डा. सुप्रभा दास एवं शिक्षाशास्त्र विभाग की डा. रश्मि जैन ने मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

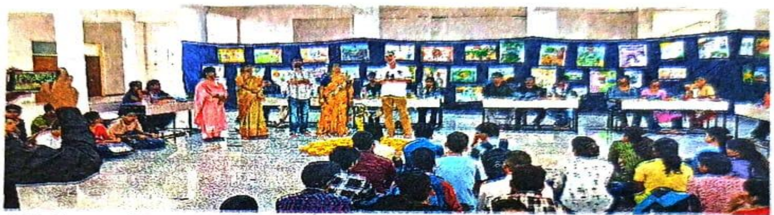

विवि के आचार्य शंकर भवन में स्पर्धा के दौरान उपस्थित विद्यार्थी व शिक्षक। ● नवदुनिया

विश्वविद्यालय में पंच प्रण विषय के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

पंच प्रण की पूर्ति व लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा. प्रो. राजपूत

विजय मत, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग में 'पंच प्रण' विषय के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला ने कहा कि 'पंच प्रण' की पूर्ति व लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा. युवाओं में ऊर्जा होती है वो केवल सपने नहीं देखते बल्कि उन्हें पूर्ण भी करते है. जब हम एक श्रेष्ठ भारत की बात करते हैं तो हमें आभासी दुनिया से हट कर वास्तविक दुनिया में कार्य करना होगा हमें एक भारत व श्रेष्ठ भारत के लिए युवाओं को आगे आना होगा. भारत के ज्ञान परम्परा को आगे लाते हुए हमें अपने गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर कार्य करना होगा. आत्मविश्वास के साथ हमें आगे बढाना होगा. हमें अपनी ऊर्जा का सही प्रयोग करना है. इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंच प्रण समिति के अध्यक्ष एवं प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने इस अवसर पर कहा कि पंच प्रण को पूरा करने के लिए सभी को मिल जुल कर कार्य करना होगा. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशपंच प्रण के माध्यम से राष्ट्र को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जायेगा. देश की युवा पीढ़ी को एक बार याद दिलाना है कि आपको किन संकल्पों को पूरा कर देश को विश्व के मानचित्र पर एक विकसित राष्ट्र बनाया जायेगा. देश को विश्व के मानचित्र पर एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है. प्राचीन भारत हर क्षेत्र में विकसित था. इसलिए इसे सोने की चिडिया कहा जाता था. इस देश को पुनः सोने की चिडिया के रूप में स्थापित कर सकते हैं. यदि हम समाज में सहिष्णुता के संकल्प के साथ कार्य कर भारतीय संस्कृति भारतीय धर्म, भारतीय ज्ञान अभी भी शास्वत है. इस अवसर पर उन्होंने पंच प्रण पर विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की. इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. बी.के. श्रीवास्तव ने कहा कि आज के युवा के भटकाव को रोकने के लिए पंच प्रण के प्रति युवा पीढ़ी की प्रतिबद्धता की आवश्यकता है. हमें अपने भीतर निरंतर अच्छे संस्कारों को विकसित कर दूषित विचारों को अलग करना है. हमें अपने जीवन में नकारात्मक भावनाओं का दमन करना है. कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुये राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम शर्मा ने पंच प्रण का उद्देश्य देश के लिए आने वाले 25 वर्ष का मार्ग प्रशस्त करता है. भारत को 2047 तक भारत को विकसित देश का निर्माण करता है अतः इस हेतु गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना है. हमें अपनी विरासत पर गर्व करना है. हम सबको अपने कर्त्तव्यों का पालन करना है. इस अवसर पर कार्यक्रम का समापन करते हुये प्रो. अनुपमा कौशिक ने कहा कि हम सब पंच प्रण संकल्पों को लेकर आगे बढे और इसके लिए अच्छे विचारों को अपनाये और नकारात्मक विचारों का परित्याग करें. इस अवसर पर उन्होंने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया. इस अवसर पर कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने पंच प्रण की शपथ ली. कार्यक्रम का संचालन डॉ. नेहा निरंजन ने किया. इस अवसर पर डॉ. संजय बारोलिया, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल, डॉ. आफरीन खान, डॉ. जनार्दन, डॉ. शिव कुमार मौजूद थे।

पेंटिंग, पोस्टर एवं अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित उपयोगी वस्तुओं की स्पर्धा हुई

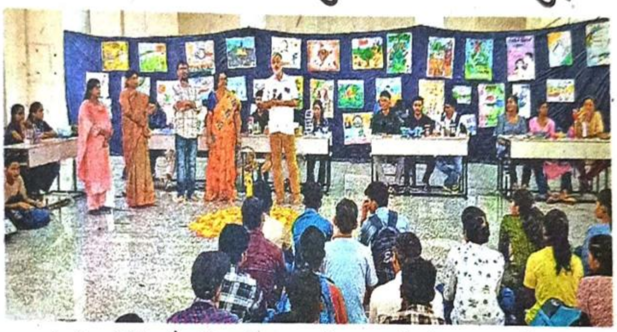

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत पेंटिंग, पोस्टर प्रतियोगिता एवं अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित उपयोगी एवं सृजनात्मक वस्तुओं की प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि प्रो. अंबिकादत्त शर्मा, डॉ संजय शर्मा थे। शिक्षक डॉ. उत्सव आनंद, डॉ. कंचन चौरसिया सहित विश्वविद्यालय के ललित कला एवं शिक्षा शास्त्र विभाग तथा अन्य विभागों से भी प्रतिभागी शामिल हुए। आभार डॉ. सुप्रभा दास एवं डॉ. रश्मि जैन ने माना।

अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित उपयोगी व सृजनात्मक वस्तुओं की प्रतियोगिता हुई आयोजित

दबंग बुन्देलखंड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत पेंटिंग, पोस्टर, प्रतियोगिता एवं अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित उपयोगी एवं सृजनात्मक वस्तुओं की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, प्रो.अंबिका दत्त शर्मा, डॉ संजय शर्मा रहे। इन्होने समस्त प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम में शिक्षक डॉ.उत्सव आनंद, डॉ कंचन चौरसिया सहित विश्वविद्यालय के ललित कला एवं शिक्षाशास्त्र विभाग तथा अन्य विभागों से भी प्रतिभागी उपस्थित रहकर अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई। इस प्रदर्शनी की समन्वय ललित कला विभाग की डॉ. सुप्रभा दास एवं शिक्षाशास्त्र विभाग की डॉ. रश्मि जैन ने मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो.नीलिमा गुप्ता के संरक्षण में आयोजित किया गया।

मंचन कर भारत विभाजन की विभीषिका को बताया

विवि में नाटक का मंचन करते कलाकार। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डा. हरीसिंह गौर विवि एवं सृष्टि थिएटर ग्रुप सागर के संयुक्त तत्वाधान में असग़र वजाहत लिखित नाटक जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याई नई का मंचन सांस्कृतिक परिषद के मुक्ताकाशी मंच पर हुआ। यह नाटक विभाजन की विभीषिका पर आधारित है। इसका निर्देशन विवि के पूर्व छात्र आनंद अग्रवाल ने किया। संगीत यशगोपाल श्रीवास्तव एवं प्रकाश संयोजन संजय कोरी, संजू आठिया का रहा। नाटक में आयुषी, अनुज , प्रिया, सिया, विश्वजीत, अमन, अर्पित, शुभम, दीपेंद्र, देव, आकाश, प्रियांश, अश्विनी, यश्विनी, सागर, राहुल, तरुण, सिद्धांत, साक्षी, कृष्णा, रितिका, देवेंद्र आदि ने अपने बेजोड़ अभिनय से एवं संगीत में यश, विधान, साक्षी, पंकज, हिमांश, आलोक, ऋद्धि, गोविंद आदि ने अपनी प्रस्तुति से नाटक के कथानक को जीवंत कर दिया। प्रस्तुति के बड़ी संख्या में दर्शक रहे।

दैनिक **दबंग बुन्देलखण्ड**
सच का साहस.......

संक्षिप्त समाचार

विश्वविद्यालय में हुआ नाटक का मंचन

दबंग बुन्देलखंड

सागर। सांस्कृतिक परिषद,डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं युग्सृष्टि थिएटर ग्रुप सागर के संयुक्त तत्वाधान में असगर वजाहत लिखित नाटक जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याई नई का मंचन दिनांक 5 अक्टूबर 2024 को सांस्कृतिक परिषद के मुक्ताकाशी मंच पर हुआ। यह नाटक विभाजन की विभीषिका पर आधारित है। इसका निर्देशन विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र आनंद अग्रवाल ने किया। संगीत यशगोपाल श्रीवास्तव एवं प्रकाश संयोजन संजय कोरी,संजू आठिया का रहा। नाटक में आयुषी, अनुज , प्रिया, सिया , विश्वजीत, अमन, अर्पित , शुभम ,दीपेन्द्र, देव , आकाश , प्रियांश, अश्विनी , यश्विनी, सागर , राहुल, तरुण , सिद्धांत , साक्षी , कृष्णा, रितिका, देवेंद्र आदि ने अपने बेजोड़ अभिनय से एवं संगीत में यश,विधान , साक्षी,पंकज, हिमांश, आलोक,ऋद्धि,गोविंद आदि ने अपनी प्रस्तुति से नाटक के कथानक को जीवंत कर दिया प्रस्तुति के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षक,विद्यार्थी युग्सृष्टि समिति के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में दर्शक गण रहे। नाटक की सफल प्रस्तुति पर नाटक के मार्गदर्शक एवं सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने सभी कलाकारों को शुभकामनाएँ दी।

विश्वविद्यालयः सांस्कृतिक परिषद् एवं जनसंपर्क कार्यालय का कुलपति ने किया उद्घाटन

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक परिषद एवं जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किया गया। दोनों कार्यालय ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग परिसर में संचालित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी एवं प्रतिभागिता सुचारु रूप से सुनिश्चित हो सकेगी। छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। उनमें मौजूद प्रतिभाओं को निखारना एवं उनमें कौशल विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसंपर्क किसी भी संस्थान का एक अनिवार्य एवं महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी एवं सूचनाएं व्यापक स्तर पर समाज के बीच जा सकें, इसके लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस माध्यम से किसी भी गतिविधि की सूचनाओं का आदान-प्रदान करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने मीडिया केंद्र को आधुनिक उपकरण एवं सुविधाएं प्रदान करने का दिशा-निर्देश भी दिया ताकि विश्वविद्यालय से जुड़े लोग आसानी से गतिविधियों एवं सूचनाओं से अवगत हो सकें।

इस अवसर पर प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. एसपी उपाध्याय, डॉ अलीम खान,डॉ सीपी उपाध्याय,डॉ. राकेश सोनी, डॉ आशुतोष,डॉ. विवेक जायसवाल,डॉ. रजनीश सहित कई शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959
08 Oct 2024 - Page 8

सांस्कृतिक परिषद और जनसंपर्क कार्यालय का हुआ उद्घाटन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सोमवार को सांस्कृतिक परिषद एवं जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। नए कार्यालय ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग परिसर में स्थापित किये गए हैं। कुलपति प्रो. गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि इन कार्यालयों के माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं की साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी को सुचारु रूप से प्रोत्साहित किया जायेगा। छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिये सांस्कृतिक गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इस दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत रहेगा। जनसंपर्क कार्यालय की आवश्यकता पर बात करते हुये, प्रो. गुप्ता ने कहा कि यह किसी भी संस्थान के लिये अनिवार्य है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी समाज के विभिन्न वर्गों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके, इसके लिये यह कार्यालय एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। उन्होंने मीडिया केंद्र को भी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने का निर्देश दिया ताकि विश्वविद्यालय के छात्र, शिक्षक और अन्य संबद्ध लोग विभिन्न गतिविधियों और सूचनाओं से आसानी से अवगत हो सकें। इस अवसर पर प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. एसपी उपाध्याय, डॉ. अलीम खान, डॉ. सीपी उपाध्याय, डॉ. आशुतोष, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रजनीश सहित कई शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

भास्कर खास • काउंसिलिंग: पहले स्नातक के बाद होता था प्रवेश, इस बार कक्षा-12वीं के बाद हुए एडमिशन

पत्रकारिता के यूजी पाठ्यक्रम में 5 साल से 3 से 6 एडमिशन हो रहे थे, एक की जगह तीन साल का किया तो सभी 30 सीटें फुल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित पत्रकारिता के जिस स्नातक पाठ्यक्रम में बीते 5 साल से 3 से 6 एडमिशन ही हो रहे थे, इस बार उसकी सभी सीटें भर गई हैं। इसकी वजह है पाठ्यक्रम की अवधि में बदलाव। पहले यह स्नातक की डिग्री के बाद एक साल का होता था। यानी पत्रकारिता में स्नातक की डिग्री करने के लिए विद्यार्थी को चार साल लग जाते थे। ऐसे में चुनिंदा विद्यार्थी ही इस कोर्स में प्रवेश लेते थे। इस बार पत्रकारिता का तीन

वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। जिसमें कक्षा-12वीं के बाद सीधा प्रवेश है। इसकी सभी 30 सीटें पहली ही काउंसिलिंग में फुल हो गईं। कक्षा-12वीं में मिले अंकों के आधार पर मेरिट के हिसाब से प्रवेश दिया गया। प्रवेश के लिए चले पंजीयन में 76 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, काउंसिलिंग में आए 48 विद्यार्थियों में से मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया गया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय में लगातार नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। उसी क्रम में यह कोर्स चालू किया है। पत्रकारिता विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह रोजगार एवं कौशल देने वाला पाठ्यक्रम है। जिस हिसाब से पंजीयन और काउंसिलिंग में विद्यार्थियों ने रुचि दिखाई और सभी सीटें फुल हो गईं, उससे साफ संदेश है कि विद्यार्थियों को यह बदलाव पसंद आया है।

पत्रकारिता में यूजी डिग्री करने में बचेगा एक साल

अभी तक पत्रकारिता का स्नातक पाठ्यक्रम एक साल का था। जिसमें विद्यार्थी स्नातक करने के बाद ही प्रवेश ले पाते थे। ऐसे में विद्यार्थी सागर विश्वविद्यालय से पत्रकारिता की डिग्री करता था तो स्नातक के तीन साल और उसके बाद एक साल पत्रकारिता में स्नातक के मिलाकर कुल 4 साल में उसकी डिग्री पूरी हो पाती थी। परंतु अब सीधे 12वीं के बाद तीन साल का कोर्स करने पर एक साल बचेगा।

अगले माह से पथरिया परिसर में लगेंगी कक्षाएं

पत्रकारिता में न सिर्फ नया पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है बल्कि यह विभाग भी नए भवन में ही संचालित होगा। पथरिया परिसर में नए भवन का निर्माण पूरा हो चुका है। नवंबर में यह बिल्डिंग मिल जाएगी। इसमें प्रिव्यू थियेटर, कांफ्रेंस हॉल, 5 स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, प्रोडक्शन स्टूडियो, एक्जीबिशन रूम, लाइब्रेरी, ऑडियो प्रोडक्शन रूम आदि की सुविधाएं विद्यार्थियों को मिलेंगी।

संस्कृत भारत की अस्मिता की पहचान करने वाली भाषा है'

परिहार गर्जना न्यूज। सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं संस्कृत भारती महाकौशल प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में दशदिवसीय संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संस्कृत विभाग के संस्कृत संभाषण कक्ष में किया गया। दिनांक 26 सितम्बर 2024 शिविर का उद्घाटन हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में संस्कृत भारती के महाकौशल प्रान्त के संगठन मंत्री डॉ. मनोज पाण्डेय महोदय ने कहा कि संस्कृत भारत के अस्मिता की पहचान करने वाली भाषा का नाम है, संस्कृत का व्यावहारिक अनुप्रयोग भारतीय मानस को अपनी मूल संस्कृति से जोड़ने का संतोष उपलब्ध कराता है। संपूर्ण भारत में संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जो सर्वत्र समाद्रत है। दशदिवसीय शिविर में संस्कृत भारती के सूचिन्तित और सुव्यवस्थित पाठ बिंदुओं का सुरुचि पूर्ण अभ्यास शिविर में प्रतिभा करने वाले प्रतिभागियों के व्यक्तित्व में संस्कृत भाषा का सुंदर सन्निवेश कराने में समर्थ होगा, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर आनंदप्रकाश त्रिपाठी महोदय ने संस्कृत के महत्व को बताते हुए कहा संस्कृत देव वाणी के रूप में प्रतिष्ठित विश्व की प्राचीनतम भाषा है, हिंदू परंपरा में व्यक्ति के जीवन के आरंभ से लेकर उसकी मृत्यु

पर्यंत संस्कृत भाषा का उपयोग विविध संस्कारों के माध्यम से आज भी सतत रूप से किया जाता है, संस्कृत भाषा से व्यक्ति का जीवन सुसंस्कृत होता है विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर भवतोष इन्द्रगुरु महोदय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में संस्कृत के महत्त्व को रेखांकित किया और बताया की नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा को जानने के लिए प्रत्येक विषय के विद्यार्थी को संस्कृत का ज्ञान अपेक्षित है। कार्यक्रम में संयोजक एवं संस्कृत भारती के सागर जिला अध्यक्ष डॉ. शशिकुमार सिंह महोदय ने दश दिवस तक चलने वाले संस्कृत संभाषण शिविर के पाठ चर्चा और उसमें आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों से प्रतिभागियों को परिचित कराया कार्यक्रम की संचालन कार्यक्रम का संचालन डॉ. किरण आर्या महोदया ने किया तथा डॉ. रामहेत गौतम महोदय ने आभार ज्ञापन किया। दिनाँक 7 अक्टूबर 2024 को संस्कृत विभाग के संस्कृत सभागार कक्ष में दशदिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभा करने वाले लगभग 100 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया तथा उपहार स्वरूप 'संस्कृत वदतु' पुस्तक भेंट की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर आनंदप्रकाश त्रिपाठी महोदय ने प्रतिभागियों के मुख से धारा प्रवाह संस्कृत संभाषण को देखकर अत्यधिक प्रसन्नता व्यक्त की और शिविर की सफलता के लिए आयोजकों को बधाई दी उन्होंने कहा वर्षो बाद संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन विभाग में हुआ यह शिविर प्रतिभागियों को लाभान्वित करेगा और वह यदि शिविर में कराए गए अभ्यास को सतत रूप में जारी रखेंगे तो संस्कृत भाषा उनके व्यक्तित्व की पहचान बन जाएगी शिविर के संयोजक डॉ.शशिकुमार सिंह ने बताया कि शिविर में संस्कृत संभाषण दक्षता परीक्षा का भी आयोजन किया गया इसमें शिक्षा नायक स्नातक की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में श्री रामरतन पाण्डेय महोदय के द्वारा रु. 500 की नगद राशि से शिक्षा नायक को सम्मानित किया गया कार्यक्रम का संचालन संस्कृत माध्यम से संस्कृत विभाग के शोध छात्र गुलशन कुमार के द्वारा किया गया तथा चित्रांश कन्हैआ के द्वारा आभार ज्ञापन किया गया. इस अवसर पर संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार, डॉ. रामहेत गौतम, डॉ. किरण आर्या एवं डॉ. नौनिहाल गौतम उपस्थित रहे।

संस्कृत भारत की अस्मिता की पहचान करने वाली भाषा है– डॉ मनोज पांडेय

जनचिंगारी-9302303212

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं संस्कृत भारती महाकौशल प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में दश दिवसीय संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संस्कृत विभाग के संस्कृत संभाषण कक्ष में किया गया। दिनांक 26 सितम्बर 2024 शिविर का उद्घाटन हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में संस्कृत भारती के महाकौशल प्रान्त के संगठन मंत्री डॉ. मनोज पाण्डेय महोदय ने कहा कि संस्कृत भारत के अस्मिता की पहचान करने वाली भाषा का नाम है, संस्कृत का व्यावहारिक अनुप्रयोग भारतीय मानस को अपनी मूल संस्कृति से जोड़ने का संतोष उपलब्ध कराता है। दश दिवसीय शिविर में संस्कृत भारती के सूचिन्तित और सुव्यवस्थित पाठ बिंदुओं का सुरुचि पूर्ण अभ्यास शिविर में प्रतिभा करने वाले प्रतिभागियों के व्यक्तित्व में संस्कृत भाषा का सुंदर सन्निवेश कराने में समर्थ होगा, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर आनंदप्रकाश त्रिपाठी महोदय ने संस्कृत के महत्त्व को बताते हुए कहा संस्कृत देव वाणी के रूप में प्रतिष्ठित विश्व की प्राचीनतम भाषा है, संस्कृत भाषा से व्यक्ति का जीवन सुसंस्कृत होता है विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर भवतोष इन्द्रगुरु महोदय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में संस्कृत के महत्त्व को रेखांकित किया और बताया की नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा को जानने के लिए प्रत्येक विषय के विद्यार्थी को संस्कृत का ज्ञान अपेक्षित है। कार्यक्रम में संयोजक एवं संस्कृत भारती के सागर जिला अध्यक्ष डॉ. शशिकुमार सिंह महोदय ने दश दिवस तक चलने वाले संस्कृत संभाषण शिविर के पाठ चर्चा और उसमें आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों से प्रतिभागियों को परिचित कराया कार्यक्रम की संचालन कार्यक्रम का संचालन डॉ. किरण आर्या महोदया ने किया तथा डॉ. रामहेत गौतम महोदय ने आभार ज्ञापन किया। दिनाँक 7 अक्टूबर 2024 को संस्कृत विभाग के संस्कृत सभागार कक्ष में दशदिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभा करने वाले लगभग 100 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया तथा उपहार स्वरूप 'संस्कृत वदतु' पुस्तक भेंट की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर आनंदप्रकाश त्रिपाठी महोदय ने प्रतिभागियों के मुख से धारा प्रवाह संस्कृत संभाषण को देखकर अत्यधिक प्रसन्नता व्यक्त की और शिविर की सफलता के लिए आयोजकों को बधाई दी उन्होंने कहा वर्षो बाद संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन विभाग में हुआ यह शिविर प्रतिभागियों को लाभान्वित करेगा और वह यदि शिविर में कराए गए अभ्यास को सतत रूप में जारी रखेंगे तो संस्कृत भाषा उनके व्यक्तित्व की पहचान बन जाएगी शिविर के संयोजक डॉ.शशिकुमार सिंह ने बताया कि शिविर में संस्कृत संभाषण दक्षता परीक्षा का भी आयोजन किया गया इसमें शिक्षा नायक स्नातक की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में श्री रामरतन पाण्डेय महोदय के द्वारा रु. 500 की नगद राशि से शिक्षा नायक को सम्मानित किया गया कार्यक्रम का संचालन संस्कृत माध्यम से संस्कृत विभाग के शोध छात्र गुलशन कुमार

विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास हेतु अनूठी पहल घुमंतूकार्यक्रम

विश्वविद्यालय व सागर शहर में पर्यटन की असीम संभावनाएं -प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर मिरर न्यूज, सागर

विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास हेतु एक नवाचार पहल 'घुमंतू' कार्यक्रम दिनांक 09/10/2024 से आरंभ किया गया है. कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित विभिन्न पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाएगा. विश्वविद्यालय में विविध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों, धरोहरों एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में स्थित पांच म्यूजियम (मानवविज्ञान विभाग, जीव विज्ञान विभाग, भूगर्भशास्त्र विभाग, वनस्पति विभाग, प्राचीन इतिहास विभाग) को विकसित और प्रचारित कर उनको प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में रेखांकित किया जाएगा. इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक नया संग्रहालय वैली परिसर में स्थित नये भवन में विकसित किया जा रहा है जिसमें सैन्य एवं सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित संकलन को प्रदर्शित किया जायेगा. कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर के अलावा सागर शहर व आसपास के पर्यटन स्थानों को भी चिन्हित कर उनके विकास की योजनाओं पर विश्वविद्यालय की टीम कार्य कर रही है. इसके लिए विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं सागर शहर से प्रबुद्धजनों को शामिल कर पर्यटन विकास की समिति बनाई गई है. प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज, अध्यक्ष भूगोल विभाग को इसका अध्यक्ष बनाया गया. उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर जी को समर्पित एक विशेष संकलन कक्ष भी नये म्यूजियम में विकसित किया जा रहा है. प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने बताया कि घुमंतू कार्यक्रम में प्रत्येक बुधवार को सुबह 6:00-7:30 बजे तक विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विधार्थी सहभागिता कर सकते हैं. यह कार्यक्रम सभी के लिये निःशुल्क रहेगा. आज प्रारम्भ हुए घुमंतू कार्यक्रम में लगभग 60 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर मूर्ति से मिलेनियम पार्क तक का भ्रमण किया गया. आगामी दिनों में इस श्रृखंला के तहत अलग-अलग स्थानों में भ्रमण कर पर्यटन स्थलों की पहचान कर उनको आधुनिक बनाने तथा पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु सुझाव आमंत्रित किये जायेंगे. भविष्य में इसका विस्तार किया जाएगा जिसके सकारात्मक प्रभाव होंगे.

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. बी. अनुरागी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास की एक वृहद एवं विस्तृत रूपरेखा तैयार करना है जिससे विश्वविद्यालय के पर्यटनों स्थलों को विश्व स्तरीय बनाने हेतु सुझाव आमंत्रित कर इस कार्यक्रम को समृद्ध बनाना है. आगामी दिनों में इस कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यटन विकास से संबंधित विभाग में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे- क्विज काम्पीटिशन, पोस्टर प्रेजेंटेशन, पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम, पर्यटन स्थलों का मानचित्रण आदि आयोजित की जायेंगी.

दैनिक भास्कर

पहल • डॉ. गौर विवि में पर्यटन विकास के लिए घुमंतू कार्यक्रम शुरू

विवि परिसर के अलावा आसपास के पर्यटन स्थलों को भी चिह्नित कर रहे

भास्कर संवाददाता | सागर

विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास के लिए एक नवाचार पहल घुमंतु कार्यक्रम किया गया है। इसका उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा विश्वविद्यालय में स्थित विभिन्न पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाएगा। विश्वविद्यालय में विविध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों, धरोहरों एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में स्थित पांच म्यूजियम (मानव विज्ञान विभाग, जीव विज्ञान विभाग, भूगर्भशास्त्र विभाग, वनस्पति विभाग, प्राचीन इतिहास विभाग) को विकसित और प्रचारित कर उनको प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में रेखांकित किया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा एक नया संग्रहालय वैली परिसर में स्थित नए भवन में विकसित किया जा रहा है, जिसमें सैन्य एवं सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित संकलन को प्रदर्शित किया जाएगा। कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय परिसर के अलावा सागर शहर व आसपास के पर्यटन स्थानों को भी चिह्नित कर उनके विकास की योजनाओं पर विश्वविद्यालय की टीम कार्य कर रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं सागर शहर से प्रबुद्धजनों को शामिल कर पर्यटन विकास की समिति बनाई गई है। भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर को समर्पित एक विशेष संकलन कक्ष भी नए म्यूजियम में विकसित किया जा रहा है। प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने बताया घुमंतु कार्यक्रम में प्रत्येक बुधवार को सुबह 6 से 7.30 बजे तक विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विधार्थी सहभागिता कर सकते हैं। यह कार्यक्रम सभी के लिए निशुल्क रहेगा। घुमंतू कार्यक्रम में 60 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर मूर्ति से मिलेनियम पार्क तक का भ्रमण किया गया। आगामी दिनों में इस श्रृखंला के तहत अलग-अलग स्थानों में भ्रमण कर पर्यटन स्थलों की पहचान कर उनको आधुनिक बनाने तथा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। भविष्य में इसका विस्तार किया जाएगा। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आरबी अनुरागी ने बताया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास की एक वृहद एवं विस्तृत रूपरेखा तैयार करना है। जिससे विश्वविद्यालय के पर्यटन स्थलों को विश्व स्तरीय बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित कर इस कार्यक्रम को समृद्ध बनाना है। आगामी दिनों में इस कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यटन विकास से संबंधित विभाग में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे- क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर प्रेजेंटेशन, पर्यटन जागरुकता कार्यक्रम, पर्यटन स्थलों का मानचित्रण आदि आयोजित की जाएंगी।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास हेतु अनूठी पहल 'घुमंतू' कार्यक्रम आरंभ

विवि व सागर शहर में पर्यटन की असीम संभावनाएं :गुप्ता

सुमन प्रकाश ■ सागर

विश्वविद्यालय में पर्यटन विकास हेतु एक नवाचार पहल 'घुमंतू' कार्यक्रम बुधवार से आरंभ किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित विभिन्न पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाएगा। विश्वविद्यालय में विविध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों, धरोहरों एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में स्थित पांच म्यूजियम (मानवविज्ञान विभाग, जीव विज्ञान विभाग, भूगर्भशास्त्र विभाग, वनस्पति विभाग, प्राचीन इतिहास विभाग) को विकसित और प्रचारित कर

उनको प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में रेखांकित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक नया संग्रहालय वैली परिसर में स्थित नये भवन में विकसित किया जा रहा है जिसमें सैन्य एवं सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित संकलन को प्रदर्शित किया जायेगा। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर के अलावा सागर शहर व आसपास के पर्यटन स्थानों को भी चिन्हित कर उनके विकास की योजनाओं पर विश्वविद्यालय की टीम कार्य कर रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं सागर शहर से प्रबुद्धजनों को शामिल कर पर्यटन विकास की समिति बनाई गई है। प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज, अध्यक्ष भूगोल विभाग को इसका अध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर जी को समर्पित एक विशेष संकलन कक्ष भी नये म्यूजियम में विकसित किया जा रहा है। प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने बताया कि घुमंतू कार्यक्रम में प्रत्येक बुधवार को सुबह 6:00-7:30 बजे तक विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विधार्थी सहभागिता कर सकते हैं।

अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज के पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों का प्रवेश एवं कक्षाएं आरंभ

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने भारतीय सेना के अग्निवीरों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ कर दिया है। विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से अगस्त माह से पंजीकरण प्रारम्भ कर दिए गये हैं। शुरूआती तौर पर कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से संचालित सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन और सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरप्रेन्योरशिप में प्रवेश दिया गया है। दोनों पाठ्यक्रमों में अभी 487 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया है। इनकी संख्या अभी और बढ़ेगी।

गौरलतब है कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में भारतीय सेना के महार रेजीमेंट और विश्वविद्यालय के बीच अकादमिक समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये गये थे। इसका उद्देश्य महार रेजीमेंट के अधिकारियों, सैनिक, अग्निवीर और उनके परिवारजनों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता का उन्नयन है। इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न डिग्री एवं डिप्लोमा, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जायेगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना की एक इकाई के रूप में महार रेजीमेंट जहां जाबाज एवं कुशल सैनिक तैयार कर रही है वहीं एक विश्वविद्यालय के रूप में हम अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए उन्हें शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता के साथ डिग्री भी प्रदान करेंगे ताकि भारतीय सेना के जवान सेवाकालीन समय में भी अपनी शिक्षा जारी रख सकें। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी जवानों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस माध्यम से भी सेना के जवानों को बेहतर भविष्य के लिये अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी। कम्युनिटी कॉलेज नोडल अधिकारी प्रो. सुशील कुमार काशव ने बताया कि कम्युनिटी कॉलेज के जिन दो पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों को प्रवेश दिया गया है। वह अग्निवीरों को व्यावसायिक भाषा ज्ञान में विशेष परिपक्वता प्रदान करेगा और कम लागत में उद्यमिता के लिए को प्रेरित करेगा। अग्निवीरों की कक्षाओं का संचालन महार रेजिमेंट सेंटर में ही किया जाना है। कम्युनिटी कॉलेज द्वारा भी विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है।

कम्युनिटी कॉलेज के पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों का प्रवेश एवं कक्षाएं आरम्भ

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने भारतीय सेना के अग्निवीरों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ कर दिया है. विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से अगस्त माह से पंजीकरण प्रारम्भ क्र दिए गये हैं. शुरुआती तौर पर कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से संचालित सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन और सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरप्रेन्योरशिप में प्रवेश दिया गया है. दोनों पाठ्यक्रमों में अभी 487 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया है. इनकी संख्या अभी और बढ़ेगी. गौरलतब है कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में भारतीय सेना के महार रेजीमेंट और विश्वविद्यालय के बीच अकादमिक समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये गये थे. इसका उद्देश्य महार रेजीमेंट के अधिकारियों, सैनिक, अग्निवीर और उनके परिवारजनों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता का उन्नयन है. इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न डिग्री एवं डिप्लोमा, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जायेगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना की एक इकाई के रूप में महार रेजीमेंट जहां जाबाज एवं कुशल सैनिक तैयार कर रही है वहीं एक विश्वविद्यालय के रूप में हम अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए उन्हें शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता के साथ डिग्री भी प्रदान करेंगे ताकि भारतीय सेना के जवान सेवाकालीन समय में भी अपनी शिक्षा जारी रख सकें. दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी जवानों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है. इस माध्यम से भी सेना के जवानों को बेहतर भविष्य के लिये अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसयिक योग्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी. कम्युनिटी कॉलेज नोडल अधिकारी प्रो. सुशील कुमार काशव ने बताया कि कम्युनिटी कॉलेज के जिन दो पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों को प्रवेश दिया गया है वह अग्निवीरों को व्यावसायिक भाषा ज्ञान में विशेष परिपक्वता प्रदान करेगा और कम लागत में उद्यमिता के लिए को प्रेरित करेगा।

शोध विद्यार्थी शिवम को सम्मान से नवाजा

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के फार्मेसी के शोध छात्र शिवम कुमार कोरी को बेस्ट ऑरल प्रेजेंटेशन का सम्मान प्राप्त हुआ है। जीएल विश्वविद्यालय मथुरा उप्र के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च में आयोजित इनोवेशन्स इन केमिकल, बायोलॉजिकल और फार्मास्युटिकल साइंसेज 2024 में को एक प्रभावी नैनो.कैटालिस्ट के रूप में प्रयोग कर नवीन नाइट्रोजन युक्त हेटेरोसाइक्लिक यौगिकों का सिंथेसिसरू स्तन कैंसर के उपचार हेतु ट्युबुलिन प्रोटीन को लक्ष्य करना विषय पर ऑरल प्रेजेंटेशन दिया। इस प्रेजेंटेशन के दौरान उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वे सागर के निवासी हैं और मेडिसिनल कैमिस्ट्री में प्रो. सुशील कुमार काशव एवं प्रो. अस्मिता गजभिये के मार्गदर्शन में अनुसंधान कर रहे हैं।

कम्युनिटी कॉलेज में अग्निवीरों का प्रवेश एवं कक्षाएं शुरू

विवि के रोजगारोन्मुखी कोर्स में 487 अग्निवीरों ने लिया प्रवेश

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने भारतीय सेना के अग्निवीरों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में कार्य शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से पंजीयन अगस्त माह से ही चल रहे हैं।

शुरुआती तौर पर कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से संचालित सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन और सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरप्रेन्योरशिप में प्रवेश दिया गया है। दोनों पाठ्यक्रमों में अभी 487 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया है। इनकी संख्या अभी और बढ़ने की उम्मीद विश्वविद्यालय प्रशासन को है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में भारतीय सेना के महार रेजीमेंट और विश्वविद्यालय के बीच अकादमिक समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसका उद्देश्य महार रेजीमेंट के अधिकारियों, सैनिक, अग्निवीर और उनके परिवारजनों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता का उन्नयन है।

इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न डिग्री एवं डिप्लोमा, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा भारतीय सेना की एक इकाई के रूप में महार रेजीमेंट जहां जांबाज एवं कुशल सैनिक तैयार कर रही है, वहीं एक विश्वविद्यालय के रूप में हम अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए उन्हें शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता के साथ डिग्री भी प्रदान करेंगे ताकि जवान सेवाकालीन समय में भी अपनी शिक्षा जारी रख सकें। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी जवानों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

कम्युनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी प्रो. सुशील कुमार काशव ने बताया कम्युनिटी कॉलेज के जिन दो पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों को प्रवेश दिया गया है वह अग्निवीरों को व्यावसायिक भाषा ज्ञान में विशेष परिपक्वता प्रदान करेगा और कम लागत में उद्यमिता के लिए प्रेरित करेगा। अग्निवीरों की कक्षाओं का संचालन महार रेजिमेंट सेंटर में ही किया जाना है। कम्युनिटी कॉलेज द्वारा भी विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है।

रिसर्च : महिलाओं में बेटे की इस हद तक चाहत

दो बेटियां पैदा होने के बाद 70.1% महिलाएं कर रहीं तीसरा बच्चा प्लान

डॉ. हरीसिंह गौर विवि के प्रोफेसर-शोधार्थी के अध्ययन में खुलासा

राजेंद्र दुबे | सागर

महिलाओं में अब भी बेटे की चाह कम नहीं हुई है। दो बेटियां पैदा होने के बावजूद 70.1% महिलाएं तीसरा बच्चा प्लान कर रहीं है। इतना ही नहीं 49.8% महिलाएं ऐसी हैं, जो एक बेटा और एक बेटी होने के बाद भी तीसरा बच्चा प्लान कर रही हैं, क्योंकि उनमें भी दूसरे बेटे की चाह है।

यह तथ्य सामने आए हैं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्ययन से। इस शोध में इसी तरह तीसरी संतान होने के बाद भी जिन महिलाओं को एक भी बेटा पैदा नहीं हुआ, उनमें से 69.6% महिलाएं चौथा बच्चा प्लान कर रही हैं। डॉ. गौर विवि के सामान्य एवं व्यावहारिक भूगोल विभाग में पदस्थ सहायक प्राध्यापक डॉ. हेमंत पाटीदार एवं शोधार्थी राहुल मिश्रा का शोध पत्र कैनेडियन पॉपुलेशन सोसायटी के जर्नल कैनेडियन स्टडीज इन पॉपुलेशन में स्प्रिंगर नेचर ने भी प्रकाशित किया। शोध 'सन प्रिफरेंस एंड चाइल्ड मॉर्टलिटी एस प्रेडिक्टर्स ऑफ पैरिटी प्रोग्रेशनः एविडेंस फ्रोम एनएफएचएस' नाम से प्रकाशित हुआ। इसमें बताया- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश में प्रजनन दर, प्रतिस्थापन प्रजनन दर (2.1) से नीचे चली गई है, जिसका अर्थ है कि देश में औसतन 2 बच्चे प्रति महिला जन्म ले रहे हैं। परंतु ज्यादातर महिलाएं ऐसी हैं जो संतानोत्पत्ति में पुत्र वरीयता पर ध्यान दे रही हैं। यह शोध राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019-21 द्वारा एकत्रित 7,24,115 महिलाओं के आंकड़ों में से 35-49 वर्ष की 2,49,279 महिलाओं पर किया, जो अमूमन संतानोत्पत्ति प्रक्रिया को पूर्ण कर चुकी होती हैं।

डॉ. हेमंत पाटीदार, सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग

राहुल मिश्रा, शोधार्थी, भूगोल विभाग

शोध परिणाम : शिशुओं की मौत भी जन्म क्रम वृद्धि का कारण

शोध परिणाम में यह भी देखा कि 6% महिलाएं, जिन्होंने पहले जन्मक्रम में शिशु मृत्यु का अनुभव किया, उनमें से 92.2% महिलाएं अगले जन्मक्रम की तरफ अग्रसर हुई हैं। इसी तरह दूसरे जन्मक्रम में शिशु मृत्यु का अनुभव करने वाली 4.7% महिलाओं में से 82.9% तीसरे जन्मक्रम की तरफ बढ़ीं। यह शोध महिला सशक्तिकरण एवं उनमें शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने के साथ-साथ पुत्र वरीयता की भावना को कम करने जैसी योजना बनाने पर बल देता है।

गांव की गरीब महिलाओं में पुत्र प्राप्ति का मोह ज्यादा मिला

महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति भी जन्मक्रम प्रगति प्रभावित करती हैं। शोध के अनुसार वे महिलाएं जिनमें शिक्षा का स्तर निम्न मिला, गरीब, ग्रामीण और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित हैं, उनमें अगले जन्मक्रम की ओर जाने की प्रवृति ज्यादा देखी गई। इसके अलावा जिन महिलाओं में मास मीडिया एक्सपोजर कम मिला, उनमें उच्च जन्मक्रम की ओर प्रगति ज्यादा देखी गई। इन शोध परिणामों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियां भी उन्हें ज्यादा बच्चे पैदा करने की ओर प्रवृत्त करती हैं।

विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग में कुलपति ने किया शस्त्र पूजन

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग में विजयादशमी पर शनिवार को शस्त्र पूजा की गई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। पूजन के बाद मिष्ठान्न वितरण किया गया। इस मौके विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. केशव टेकाम, डॉ. सीपी उपाध्याय, डॉ. रजनीश, डॉ. विवेक जायसवाल, शंकर पटेल सहित विवि के सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय : सुरक्षा विभाग में हुआ शस्त्र पूजा का आयोजन

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के सुरक्षा विभाग में विजयादशमी के शुभ अवसर पर शस्त्र पूजा का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। पूजन उपरांत मिष्ठान्न वितरण किया गया। इस अवसर विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. केशव टेकाम, डॉ. सीपी उपाध्याय, डॉ. रजनीश,डॉ. विवेक जायसवाल,शंकर पटेल एवं विवि के सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

आयोजन गौर जयंती से होगी पांच दिनी आयोजन की रंगारंग शुरुआत

डॉ. हरीसिंह गौर विवि को पहली बार मिली सेंट्रल जोन यूथ फेस्टिवल की मेजबानी

आयोजन में शामिल हो सकती हैं जानी-मानी सिने तारिका

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि का अगला महीना ऐतिहासिक होने जा रहा है। विवि को पहली बार सेंट्रल जोन यूथ फेस्टिवल की मेजबानी मिली है। यह पांच दिनी युवा उत्सव विवि के स्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर के जन्मदिन गौर-गौरव दिवस 26 नवंबर से शुरु होगा। जो 30 नवंबर तक चलेगा। इस आयोजन को लेकर एक और महत्वपूर्ण खबर ये है कि इसमें बॉलीवुड की एक जानी-मानी तारिका भी शिरकत कर सकती हैं। सूत्रों के अनुसार यह तारिका उत्सव के दौरान खजुराहो में अपने किसी प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए आ रही हैं। विवि प्रशासन ने फिलहाल उनके नाम का खुलासा नहीं किया है। लेकिन चर्चाओं के अनुसार इन तारिका को लाने में सागर निवासी मशहूर सिने अभिनेता मुकेश तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। तिवारी तारिका के पति और जाने-माने अभिनेता के साथ कई फिल्मों में बतौर चरित्र और हास्य भूमिकाएं कर चुके हैं। तारिका को शाहरुख के साथ सबसे ज्यादा पसंद किया गया है। आयोजन में शामिल होने के लिए बुंदेली धरा से निकले अभिनेता गोविंद नामदेव, आशुतोष राणा, श्रीवर्धन त्रिवेदी को भी आमंत्रित किया जाएगा। इधर विवि प्रशासन के अनुसार इस आयोजन में एमपी और यूपी के करीब 139 सरकारी-गैर सरकारी विवि और उनके संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थी अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

रंगारंग होगी यूथ फेस्टिवल की शुरुआत, शहर बनेगा गवाह

विवि के परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग के एचओडी डॉ. राकेश सोनी अंतिम रूप रेखा देने में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि विवि के स्थापना के इतिहास में यह पहला अवसर है। जब हमें सेंट्रल जोन की मेजबानी मिली है। हालांकि हम लोगों ने साउथ एशिया जोन के यूथ फेस्टिवल की मेजबानी के लिए दावा किया था। लेकिन श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश में चल रही राजनैतिक अस्थिरता के चलते ये संभव नहीं हो पाया। बहरहाल सागर में होने जा रहे इस आयोजन को ऐतिहासिक बनते देखने लिए शहर के लोग भी चक्षुदर्शी होंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन में शामिल होने वाले विवि-कॉलेजों के विद्यार्थी अपनी-अपनी विधा की वेश-भूषा में तीन बत्ती स्थित गौर प्रतिमा से विवि स्थित प्रतिमा तक मार्च करेंगे। आयोजन में 28 विधाओं को शामिल किया गया है। जिनका प्रदर्शन पांचों दिन सुबह करीब 9 बजे से रात 11 बजे तक गौर समाधि वाले मैदान, जुबली हॉल, अभिमन, रंगनाथन सभागार और शंकर भवन में किया जाएगा। युवाओं की प्रस्तुतियां देखने के लिए शहरवासी भी आमंत्रित रहेंगे।

प्रोडक्ट ब्रांडिंग पर हुआ विशेष व्याख्यान

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को व्याख्यान देते अतिथि।

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग में प्रोडक्ट ब्रांडिंग पर विशेष व्याख्यान हुए। जिसमें जयपुरिया इंस्टीट्यूट की डॉ. रोमी सैनी अतिथि के रूप में शामिल हुईं। विभागाध्यक्ष प्रो. वायएस ठाकुर ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और अतिथि डॉ. रोमी सैनी का परिचय दिया। डॉ. रोमी सैनी ने ब्रांडिंग, इसके घटक और ब्रांडिंग से संबंधित केस स्टडी के बारे में बताया और प्रश्न के जवाब दिए। मयंक सिंह राजपूत आभार माना।

व्यवसाय प्रबंध विभाग में प्रोडक्ट ब्रांडिंग पर विशेष व्याख्यान और प्रश्नोत्तरी का आयोजन

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग में डॉ. रोमी सैनी, प्रोफेसर (ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट) जयपुरिया इंस्टीट्यूट के द्वारा ब्रांडिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन हुआ। सत्र का प्रारंभ व्यवसाय प्रबंध विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वाय.एस. ठाकुर द्वारा किया गया, जिन्होंने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और अतिथि डॉ. रोमी सैनी का परिचय दिया। डॉ. रोमी सैनी ने ब्रांडिंग, इसके घटक और ब्रांडिंग से संबंधित केस स्टडी के बारे में बताया तथा छात्रों के ब्रांडिंग से संबंधित जो भी प्रश्न थे उनके जबाव दिए। इससे सबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन कराया गया।व्याख्यान के अंत में उपस्थित छात्रों द्वारा डॉ. रोमी सैनी का अभिवादन किया गया। बी.बी.ए. (ऑनर्स) के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने डॉ. रोमी सैनी द्वारा दी गई जानकारी को महत्वपूर्ण बताया जो उनके भविष्य में उपयोगी होगी।

पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने देखी अखबार की छपाई

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने मंगलवार शाम दैनिक भास्कर ऑफिस और प्रिंटिंग प्रेस की विजिट की। इस दौरान देखा कि अखबार में किस तरह से काम और छपाई होती है। इस दौरान पत्रकारिता विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अलीम खान और डॉ. विवेक जायसवाल मौजूद रहे।

\+

अखबार की प्रिंटिंग प्रक्रिया का अवलोकन किया

सागर, आचरण। बुधवार को डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने दैनिक आचरण कार्यालय पहुंचकर अखबार के प्रकाशन संबंधी प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान प्रधान संपादक सुनील जैन, प्रबंध संपादक श्रीमती निधि जैन, स्थानीय संपादक सुदेश तिवारी ने विद्यार्थियों को अखबार तैयार करने तथा पत्रकारिता के संबंध में मार्गदर्शन दिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने संपादकीय शाखा, कम्प्यूटर शाखा और प्रिंटिंग मशीन का अवलोकन किया। इस दौरान विभाग की ओर से डॉ. अलीम अहमद खान, विवेक जायसवाल भी मौजूद थे।

कार्यशाला में संगीत की दुर्लभ पत्रिकाओं से कराया अवगत

कार्यशाला में जानकारी देते।

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में सत्यम कला संस्कृति संग्रहालय ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें पुराने भारतीय समाचार पत्रों में प्रकाशित संगीत संबंधित दुर्लभ आलेख और पुरानी संगीत पत्रिकाओं के अंकों से छात्रों को अवगत कराया। कार्यशाला संचालन डॉ.राहुल स्वर्णकार ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक अहिरवार, दामोदर अग्निहोत्री, शैलेंद्र राजपूत, अरुण रैकवार, सुरेंद्र गर्ग, शोधकर्ता आकाश जैन, गगन राज, तेजस पटेल, अनुकृति रावत, स्तुति खम्परिया, यश गोपाल श्रीवास्तव व विद्यार्थी उपस्थित थे। आभार डॉ अवधेश तोमर ने माना।

पहली बार विवि को मिली मेजबानी, 1500 से अधिक कलाकार करेंगे प्रतिभागिता

26 नवंबर को गौर जयंती से शुरू होगा मध्य क्षेत्र युवा उत्सव

देशभर के 70 विश्वविद्यालय लेंगे हिस्सा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्व विद्यालयीन युवा उत्सव डॉ. हरिसिंह गौर विवि में होगा। गौरव उत्सव का आयोजन 26 से 30 नवम्बर तक किया जाएगा। आयोजन में देश के लगभग 70 से अधिक विश्वविद्यालयों की सहभागिता होगी और 1500 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। गौरतलब है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के निर्देशन एवं संयोजन में प्रत्येक वर्ष जोनल युवा उत्सव देश के अलग-अलग विश्वविद्यालय में आयोजित किए।

जिसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है।

प्रतिभागी ऑनलाइन करेंगे आवेदन

आयोजन समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि 26 से 30 नवंबर तक चलने वाले इस युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए मध्य क्षेत्र के सभी विश्वविद्यालयों को आमंत्रण पत्र भेज दिया गया है। प्रतिभागी विश्वविद्यालय ऑनलाइन आवेदन करेंगे। इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि हमारा विवि भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से प्रथम राष्ट्रीय महिला संसद आयोजित करने वाला देश का पहला विवि है।

इस बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव 2024 के आयोजन किया जा रहा है जो पहली बार हो रहा है। विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान दानवीर डॉक्टर सर हरिसिंह गौर के जन्म दिवस पर उन्हें नमन करते हुए पांच दिनों तक चलने वाले इस युवा उत्सव की शुरुआत होगी।

भास्कर खास • मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 130 विश्वविद्यालयों को आमंत्रण, 1500 कलाकार लेंगे हिस्सा, गौर-गौरव उत्सव 5 दिन मनेगा

विवि को मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी, 26 नवंबर को शोभायात्रा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को 38वें अंतर विश्वविद्यालयीन मध्य

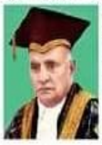

क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है। इसमें मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 130 विश्वविद्यालयों को आमंत्रित किया गया है। इनके 1500 विद्यार्थी, 28 विधाओं में हिस्सा लेने सागर आएंगे। ऐसा पहली बार है, जब सागर विश्वविद्यालय को अंतर विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है। यह आयोजन 26 से 30 नवंबर तक चलेगा। 26 नवंबर को सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की जयंती भी है। इसलिए इस युवा उत्सव को गौर-गौरव उत्सव नाम दिया गया है। 26 नवंबर को ही सागर में गौर जयंती पर परंपरागत शोभायात्रा निकलती है। इसी से शहरवासियों को जोड़ने के लिए दोपहर 1 बजे से सांस्कृतिक शोभायात्रा भी तीन बत्ती स्थित गौर मूर्ति से लेकर विवि स्थित गौर मूर्ति तक निकाली जाएगी। मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 का आयोजन डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में होगा।

ऑनलाइन आवेदन करेंगे विश्वविद्यालय : डॉ. सोनी

आयोजन सचिव डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि 26 से 30 नवंबर तक चलने वाले इस युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए मध्य क्षेत्र के सभी विश्वविद्यालयों को आमंत्रण पत्र भेज दिया गया है। प्रतिभागी विश्वविद्यालय ऑनलाइन आवेदन करेंगे। जिनके पंजीयन हो जाएंगे, वे ही इसमें सहभागिता करेंगे। सागर में ही चार विश्वविद्यालय हैं। ऐसे में मेजबान इस प्रतियोगिता में बेहतर से बेहतर प्रदर्शन कर सकें, उसको लेकर भी तैयारियां सभी जगह शुरू हो गई हैं।

आयोजन की शुरुआत डॉ. गौर को नमन करते हुए: कुलपति

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि हमारा विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से पहली राष्ट्रीय महिला संसद करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है। इस बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव का आयोजन हम पहली बार करने जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान दानवीर डॉ. गौर के जन्म दिवस पर उन्हें नमन करते हुए पांच दिनों तक चलने वाले इस युवा उत्सव की शुरुआत होगी।

26 से 30 नवंबर तक का यह रहेगा शेड्यूल

- **26 नवंबर** : टीम मैनेजर मीटिंग, सभी विश्वविद्यालयों का पंजीयन, शोभायात्रा, उद्घाटन समारोह एवं सांस्कृतिक समारोह।
- **27 नवंबर** : सुगम गायन, मिमिक्री, भाषण, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, स्पॉट पेंटिंग, प्रश्न मंच एवं क्ले मॉडलिंग।
- **28 नवंबर** : एकांकी नाटक, भारतीय समूह गान, शास्त्रीय वाद्य वादन, फोटोग्राफी, पाश्चात्य समूह गान, कार्टूनिंग, प्रश्न मंच का दूसरा चरण, शास्त्रीय गायन, इंस्टालेशन।
- **29 नवंबर** : पाश्चात्य एकल गायन, मूकाभिनय, रंगोली, लोक वाद्यवृंद, कोलॉज, समूह लोकनृत्य एवं मेहंदी।
- **30 नवंबर** : समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण।

कैंपस और हॉस्टल में की जा रही व्यवस्था

सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की टीम के आवास, भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही है। नए बने आर्य भट्ट बालक छात्रावास में सभी पुरुष प्रतिभागी रहेंगे। जबकि छात्राओं की रुकने की व्यवस्था गर्ल्स हॉस्टल एवं यहीं के आवासीय कैंपस के क्वार्टर में की गई है। अतिथि एवं निर्णायक मंडल के सदस्यों के रुकने की व्यवस्था विवि के अतिथि गृह में की गई है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर विवि स्टेडियम के डोरमेट्री में भी की जाएगी।

आयोजन पहली बार मिली विवि को मेजबानी, 1500 से अधिक कलाकार करेंगे प्रतिभागिता

विवि में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 26 नवम्बर से

सागर ■ राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर गौरव उत्सव का आयोजन 26 से 30 नवम्बर तक डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में किया जा रहा है।

आयोजन में देश के लगभग 70 से अधिक विश्वविद्यालयों की सहभागिता होगी और 1500 से अधिक प्रतिभागी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। गौरतलब है कि भारतीय विवि संघ, नई दिल्ली के निर्देशन एवं संयोजन में प्रत्येक वर्ष जोनल युवा उत्सव देश के अलग अलग विवि में आयोजित किये जाते हैं जिसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने बताया कि हमारा विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा के सहयोग से प्रथम राष्ट्रीय महिला संसद आयोजित करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है जो मार्च 2023 में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। इस बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव 2024 के आयोजन किया जा रहा है जो विश्वविद्यालय में पहली बार हो रहा है। विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान दानवीर डॉक्टर सर हरीसिंह गौर के जन्म दिवस पर उन्हें नमन करते हुए पांच दिनों तक चलने वाले इस युवा उत्सव की शुरुआत होगी।

आयोजन समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने बताया कि 26 से 30 नवंबर तक चलने वाले इस युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए मध्य क्षेत्र के सभी विश्वविद्यालयों को आमंत्रण पत्र भेज दिया गया है।

प्रतिभागी विश्वविद्यालय ऑनलाइन आवेदन करेंगे। इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, डिबेटए, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी।

सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की टीम के आवास, भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय में की जायेगी। भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा निर्धारित नियमों के तहत सभी प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी जिनमें अधिकृत निर्णायक मंडल द्वारा निर्णय किये जाएंगे। समस्त प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न आयोजन स्थलों पर आयोजित होंगे।

विवि के छात्र-छात्राओं ने पत्रिका कार्यालय में सीखे पत्रकारिता के गुर

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के छात्र-छात्राओं ने गुरुवार को पत्रिका कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्र-छात्राओं ने समाचार लेखन, पेज मेकिंग, न्यूज एडिटिंग, मार्केटिंग और सर्कुलेशन विभाग की प्रक्रिया को समझा। इस मौके पर पत्रकारिता विभाग के डॉ. अलीम खान और डॉ. विवेक जायसवाल ने कहा कि समाचार पत्र से ही हम हमारे समाज में क्या घटित हो रहा है की सही व सटीक जानकारी ले सकते हैं। मीडिया विद्यार्थी होने के नाते आप सब का यह दायित्व बनता है की आप हर रोज समाचार पत्र को पढ़ें व आपने आस पास व देश दुनिया की जानकारी से आपने आप को अपडेट रखें। भ्रमण के दौरान छात्रा अनुष्का तिवारी, सलोनी शर्मा, अविनाश रोहित, दिलीप चौरसिया, श्याम सिंह, दीपक कुमरा, सरल जैन ,आनंद, रिया, मानषी, अविनाश दुबे, अभिनव, कृष्णाकांत, दिव्यांशु, रागिनी, रूपाली, सोनाली, राजेंद्र, अनुज, आदित्य और आशुतोष, रामस्वरूप पटैल आदि मौजूद रहे। पत्रिका के सभी विभागों के एचओडी ने उन्हें हर विभाग के कार्यों की बारीकी से जानकारी दी।

पहली बार मिली विवि को मेजबानी, 1500 से अधिक कलाकार करेंगे प्रतिभागिता

सागर, आचरण संवाददाता। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' का आयोजन 26 से 30 नवम्बर 2024 तक डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में आयोजित किया जा रहा है. आयोजन में देश के लगभग 70 से अधिक विश्वविद्यालयों की सहभागिता होगी और 1500 से अधिक प्रतिभागी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे।

गौरतलब है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के निर्देशन एवं संयोजन में प्रत्येक वर्ष जोनल युवा उत्सव देश के अलग-अलग विश्वविद्यालय में आयोजित किये जाते हैं. जिसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि हमारा विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा के सहयोग से प्रथम राष्ट्रीय महिला संसद आयोजित करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है जो मार्च 2023 में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था. इस बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव 2024 के आयोजन किया जा रहा है जो विश्वविद्यालय में पहली बार हो रहा है. विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान दानवीर डॉक्टर सर हरीसिंह गौर के जन्म दिवस पर उन्हें नमन करते हुए पांच दिनों तक चलने वाले इस युवा उत्सव की शुरुआत होगी. आयोजन समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि 26 से 30 नवंबर 2024 तक चलने वाले इस युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए मध्य क्षेत्र के सभी विश्वविद्यालयों को आमंत्रण पत्र भेज दिया गया है. प्रतिभागी विश्वविद्यालय ऑनलाइन आवेदन करेंगे. इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी. सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की टीम के आवास, भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय में की जायेगी. भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा निर्धारित नियमों के तहत सभी प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी जिनमें अधिकृत निर्णायक मंडल द्वारा निर्णय किये जायेंगे. समस्त प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न आयोजन स्थलों पर आयोजित होंगे।

विवि में गौर उत्सव पर कल से दो दिवसीय मेले का आयोजन

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डा. हरीसिंह गौर विवि की महिला क्लब द्वारा 21 और 22 अक्टूबर को गौर उत्सव मेले का आयोजन किया जा रहा है। दो दिन तक चलने वाले इस मेले में दो दर्जन से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। जिसमें खाद्य सामग्री के साथ ही चांपा के प्रसिद्ध कोसा की साड़ी सहित विभिन्न् प्रकार के वस्तुओं का विक्रय होगा। महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह ने बताया कि इस मेले का मुख्य उद्देश्य समाज के उन वर्गों की कृतियों को प्रदर्शित करना है, जो अब तक मुख्यधारा के उच्च वर्ग की नजरों से छिपी हुई थीं। इस आयोजन के लिए विवि के आचार्य शंकर भवन तैयारियां की जा रही हैं। मेला सुबह

मेले की जानकारी देतीं विवि महिला क्लब की पदाधिकारी। ● नवदुनिया

11 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। इसका शुभारंभ महिला क्लब की संरक्षिक प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा किया जाएग। विवि में अध्ययनरत 8 हजार से अधिक विद्यार्थी और 200 अधिक परिवार इसमें शामिल होंगे। मेले में 20 से 40 स्टाल लगाए जाएंगे, जिनमें छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध कोसा साड़ी, कलाकृतियां, विभिन्न मंदिरों के माडल, दीपावली के सामान, फूड स्टाल, रेडीमेड कपड़े, चूड़ी, कंगन, झुमके, पर्स, व्यंजन सहित अन्य स्टाल लगाए जाएंगे। इसके अलावा एनजीओ, स्वव्यवसायी और कारीगर भी अपने उत्पादों के साथ हिस्सा लेंगे। मेले से होने वाली आय को महिला क्लब द्वारा घरोंदा आश्रम और अन्य एनजीओ में चैरिटी के रूप में दान की जाएगी। मेले में स्टाल लगाने के लिए प्रत्येक व्यवसायी से दो दिन का 2100 रुपये शुल्क लिया जाएगा, जिसमें उसे वातानुकूलित भवन के साथ ही भोजन, चाय व रात्रि विश्राम की व्यवस्था व सुरक्षा दी जाएगी। इस दौरान अध्यक्ष ओमिका सिंह, सचिव सरोज आनंद, सहसचिव अनुराधा उपाध्याय, कोषाध्यक्ष अंजली भागवत, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. कल्पना शर्मा ,कीर्ति राज उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय कम्प्यूटर साइंस के पांच छात्र यूजीसी नेट परीक्षा में सफल

जन जागरण संदेश/ गणेश प्रसाद शर्मा

सागर। **डॉक्टर** हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के कंप्यूटर साइंस और एप्लीकेशन विभाग के एम सी ए के छात्रों को महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। विभाग के पांच छात्रों रूचि जैन, अमन सिंह, राकेश राना, धनंजय त्रिपाठी, साक्षी पांडे ने यूजीसी नेट 2024 की परीक्षा उत्तीर्ण की है जो सहायक प्रोफ़ेसर के पद के लिए पात्रता प्रदान करती है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने इस सफलता पर बधाई दी । उन्होंने कहा कि विभाग के अथक प्रयासों का यह परिणाम है और भविष्य में आने वाले छात्र इस सफलता से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में यूजीसी नेट जैसी परीक्षाओं में सफल होंगे। विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि यह पहली बार है जब इतनी संख्या में छात्रों ने नेट परीक्षा पास की। विभाग को गर्व है कि हमारे छात्र इस मुकाम पर पहुंचे है। इसके साथ ही कई अन्य छात्रों ने पीएचडी कार्यक्रमोंमें प्रवेश में भी सफलता पाई है। यह विभाग के उत्कृष्ट शैक्षणिक तैयारी का प्रमाण है।

विवि के महिला क्लब द्वारा गौर उत्सव मेले का आयोजन 21 से

● सागर / आरएनएन

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की महिला क्लब द्वारा 21 और 22 अक्टूबर को गौर उत्सव मेले का आयोजन कर रही है। पत्रकर वार्त में महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह ने बताया कि इस मेले का मुख्य उद्देश्य समाज के उन वर्गों की कृतियों को प्रदर्शित करना है जो अब तक मुख्यधारा के उच्च वर्ग की नजरों से छिपी हुई थीं।

इस आयोजन के लिए विवि के आचार्य शंकर भवन की इमारत महिला क्लब में मेले का आयोजन होगा जो 21 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। इस का शुभारभ डॉ हरीसिंह गौर विवि की महिला क्लब की संरक्षिक प्रो नीलिमा गुप्ता द्वारा किया जाएग। डॉ हरीसिंह गौर विवि जो लगभग 8000 विद्यार्थियों और 200 से अधिक निवासियों वाला एक छोटा शहर जैसा है, कला और संस्कृति की केद्र करने वाले शिक्षित लोगों से भरा हुआ है। इस मेले के लिए छात्रों और स्थानीय लोगों में गहरी रुचि और उत्साह देखने को मिल रहा है। मेले में 20 से 40 स्टॉल लगाए जाएंगे जिनमें छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध कोसा साड़ी, कलाकृतियां, विभिन्न मंदिरों के मॉडल, दीपावली के सामान, फूड स्टॉल, रेडीमेड कपड़े, चूड़ी, कंगन, झुमके, पर्स आदि की प्रदर्शनी होगी। इसके अलावा एनजीओ, स्वव्यवसायी और कारीगर भी अपने उत्पादों के साथ भाग ले रहे हैं। मेले से होने वाली कमाई महिला क्लब द्वारा घरोंदा आश्रम और अन्य एनजीओ में चैरिटी के रूप में दान की जाएगी। आयोजकों का उद्देश्य है कि इस मेले के माध्यम से स्थानीय कला और संस्कृति को बढ़ावा मिले और जरूरतमंदों की सहायता की जा सके। महिला क्लब ने विभिन्न कलाकारों और विक्रेताओं को एक उपयुक्त मंच प्रदान किया है।

विश्वविद्यालय में गौर उत्सव मेले में उमड़ी भीड़

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के महिला क्लब द्वारा विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में गौर उत्सव मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 21 से 22 अक्टूबर तक चलेगा। मेला दोनों दिन 11 बजे से 06 बजे तक चलेगा। मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगे हैं। पहले दिन विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के परिवार जनों एवं शहरवासियों की अच्छी खासी बीद रही। इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, अभिलाषा दुर्गवंशी, देवांशी उपाध्याय, सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे।

सागर शहर

सागर, मंगलवार, 22 अक्टूबर 2024 2

आयोजन । विवि के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग व आरटी-पीसीआर कार्यशाला का उद्घाटन

विवि में जीनोम सिक्वेंसिंग लैब शुरू, अब महीनों-साल वाले रिजल्ट 24 घंटे में मिलेंगे

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विवि के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग सुविधा शुरु हो गई है। इस नई व्यवस्था से जिन बैक्टीरिया,वायरस या बीमारियों के जीनोम सीक्वेंस तैयार करने में कई-कई महीने या साल भर लग जाता था। वह अब एआई तकनीकी मदद से 24 घंटे के भीतर पता चल जाएगा। सोमवार को इस अत्याधुनिक बायोटेक्नॉजी उपकरण को लेकर 5 दिवसीय प्रशिक्षण शाला भी शुरु हुई। जिसका उद्घाटन विवि कुलपति डॉ. नीलिमा गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में विवि के पूर्व कुलपति एवं ख्यात भैषजिक विज्ञानी रिटा. प्रो. एसपी व्यास रहे। आयोजन में विवि के अन्य विभाग के प्रोफेसर्स व प्रशिक्षक भी मौजूद रहे।

कृषि और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी : प्रो. व्यास

मुख्य अतिथि प्रो. एसपी व्यास ने इस नई सुविधा के शुरु होने से कृषि, स्वास्थ्य एवं न्यायालयिक क्षेत्र में होने वाले फायदों पर चर्चा की। उन्होंने कहा यह सुविधा, जैव विज्ञान के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। एक ओर हम स्वास्थ्य के क्षेत्र में होने वाली बीमारियों के कारणों को आसानी से समझ सकेंगे। वहीं हम कृषि को प्रभावित करने वाले विभिन्न सूक्ष्म जीवों के सम्पूर्ण जिनोम सिक्वेंस का पता लगा कर उनसे लड़ने के तरीकों को खोज सकते हैं। एफएसएल के तहत डीएनए टेस्टिंग में जीनोम सीक्वेंसिंग का अहम रोल होता है। जांच की जटिलता और रिजल्ट की एक्युरेसी के कारण इसमें कई-कई माहीने लगते हैं लेकिन इस मशीन से यह कुछ घंटों में हो जाएगी।

डीबीडी-बिल्डर प्रोजेक्ट के तहत स्थापित हुई है मशीन

कार्यशाला के संयोजक डॉ. सी. पी. उपाध्याय (असिटेन्ट प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग) ने बताया कि यह कार्यशाला डीबीटी बिल्डर प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित की जा रही है, जिसमें सभी ऑफलाइन एवं ऑनलाइन विद्यार्थियों को एनजीएस और क्यूआरटीपीसीआर के बारे में जानकारी और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला में आठ राज्यों से ऑफलाइन एवं ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ आर.के कोइरी (असिस्टेंट प्रोफेसर,प्राणीशास्त्र विभाग)हैं। विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की यह पहल भारत में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। थर्मोफिशर साइंटिफिक कंपनी के सहयोग से प्रशिक्षण दिया जा रहा फिशर साइंटिफिक के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस), संगर सिक्वेंसिंग और आरटी-पीसीआर जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रयोग विषय

पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह लैबें विभाग में स्थापित किया गया है जिससे किसी भी जीव-जंतु का पूर्ण जीनोम सिक्वेंसिंग पता किया जा सकेगा। अब तक मौजूद मशीनों से एक स्तरीय परीक्षण ही संभव था, जिसका पूरा जीनोम पता करने के लिए महीनों या वर्षों लग जाते थे। जैव प्रौद्योगिकी विभाग में हाल ही में स्थापित किए गए एन.जी.एस उपकरण सहित तीन अत्याधुनिक उपकरणों पर होने वाले इस प्रशिक्षण में थर्मोफिशर साइंटिफिक के विशेषज्ञ डॉ. विशाल धर और डॉ नवीन मुख्य प्रशिक्षक हैं। इसके साथ ही इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग से पधारे प्रोफेसर डॉ. अरूप आचार्य रीयल-टाइम पीसीआर और प्रोटीओ-जीनोमिक्स विषय पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का स्वागत भाषण प्रो. हेरेल थॉमस एवं विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. वर्षा शर्मा ने दिया। इस अवसर पर प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. यू के पाटिल, डॉ. मोहन टी ए, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. योगेश भार्गव, डॉ. देवांशी एवं विभिन्न विज्ञान विभागों के शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

विवि से 24 घंटे में पता चल सकेगी पूर्ण जीनोम सिक्वेंसिंग, बायोटेक्नोलॉजी विभाग में अत्याधुनिक मशीन स्थापित

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के जैवप्रौद्योगिकी विभाग एवं सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च द्वारा अत्याधुनिक जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों पर आधारित 5 दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। कार्यशाला में नेक्स्ट जेनरेशन सिक्वेंसिंग (एनजीएस), संगर सिक्वेंसिंग और आरटी-पीसीआर जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रयोग विषय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। लैब में अत्याधुनिक मशीन भी स्थापित की गई है, जिससे किसी भी जीव-जंतु की पूर्ण जीनोम सिक्वेंसिंग पता किया जा सकेगा। अब तक मौजूद मशीनों से एक स्तरीय परीक्षण ही संभव था, जिससे पूरा जीनोम पता करने में महीनों या वर्षों लग जाते थे। जैव प्रौद्योगिकी विभाग में हाल ही में स्थापित किए गए एनजीएस उपकरण सहित तीन अत्याधुनिक उपकरणों पर होने वाले इस प्रशिक्षण में विशेषज्ञ

डॉ. विशाल धर और डॉ. नवीन मुख्य प्रशिक्षक हैं। इसके साथ ही इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के प्रो. अरूप आर्या रीयल-टाइम पीसीआर और प्रोटीओ-जीनोमिक्स विषय पर प्रशिक्षण देंगे। उद्घाटन समारोह रंगनाथन भवन में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ। मुख्य अतिथि फार्मेसी विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. एसपी व्यास ने बताया कि यह कार्यशाला कृषि एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। इससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में होने वाली बीमारियों के कारणों को आसानी से समझा जा सकता है। साथ ही कृषि को प्रभावित करने वाले विभिन्न सूक्ष्म जीवों के संपूर्ण जीनोम सीक्वेंस का पता लगाकर उनसे लड़ने के तरीकों को खोजा जा सकता है। कार्यशाला के संयोजक डॉ. सीपी उपाध्याय ने बताया कार्यशाला में ऑफलाइन एवं ऑनलाइन विद्यार्थियों को एनजीएस और क्यूआरटी पीसीआर के बारे में जानकारी और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 8 राज्यों से ऑफलाइन एवं ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। आयोजन सचिव डॉ आरके कोइरी हैं। स्वागत भाषण प्रो. हेरेल थॉमस एवं विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. वर्षा शर्मा ने दिया। इस मौके पर प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. यूके पाटिल, डॉ. मोहन टीए, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. योगेश भार्गव, डॉ. देवांशी आदि मौजूद थे।

आयोजन | गौर उत्सव मेले में दूसरे दिन भी लोगों ने खरीदी की

महिला उद्यमिता से बढ़ेगी आत्मनिर्भरता: गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर के महिला क्लब द्वारा विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में दो दिवसीय गौर उत्सव मेला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं सागर शहर की महापौर श्रीमती संगीता तिवारी ने मेले का भ्रमण किया. उन्होंने कहा कि महिलाओं का उद्यमी होना समाज के लिए सुखद संकेत हैं. आत्मनिर्भरत भारत के लिए महिलाओं का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है. उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया एवं वस्तुएं भी खरीदीं. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगे थे. लगभग सभी स्टाल महिलाओं द्वारा लगाए गये थे. विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के परिवार जनों एवं शहरवासियों ने मेले में पहुंचकर अपने पसंद की सामग्री खरीदी। इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी, देवांशी उपाध्याय, सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे।

गौर उत्सव मेले में पहुंचीं महापौर, कुलपति बोलीं- महिलाओं का उद्यमी होना समाज के लिए सुखद

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में दो दिवसीय गौर उत्सव मेला लगाया गया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं महापौर संगीता तिवारी ने मेले का भ्रमण किया। उन्होंने कहा महिलाओं का उद्यमी होना समाज के लिए सुखद संकेत है। आत्मनिर्भर भारत के लिए महिलाओं का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है।

उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया एवं वस्तुएं भी खरीदीं। मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौंदर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के गर्म कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इंडियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगे थे। लगभग सभी स्टॉल महिलाओं द्वारा लगाए गए थे। इस मौके पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी, देवांशी उपाध्याय आदि मौजूद रहीं।

विश्वविद्यालय : गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विश्व सांख्यिकी दिवस का आयोजन

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विश्व सांख्यिकी दिवस का आयोजन किया गया. विभागाध्यक्ष प्रो. दिवाकर शुक्ला ने इस मौके पर अपने व्याख्यान में डाटा साक्षरता पर व्याख्यान देते हुए आकड़ों की सटीकता, उनका संग्रह एवं उपयोगिता के महत्व पर बल दिया. उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सोना एवं पेट्रोल से भी ज्यादा महंगा एवं उपयोगी कोई है तो वह डाटा है जिसकी विश्वव्यापी मांग है. डाटा के द्वारा ही भविष्य की योजनायें बनायी जाती हैं. कार्यक्रम में बी.एस.सी. एवं एम.एस.सी. सांख्यिकी के विद्यार्थियों ने भाग लिया. कार्यक्रम में सांख्यिकी क्विज प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता तथा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. लगभग 70 से अधिक विद्यार्थियों ने रूचि पूर्वक उपस्थिति दर्ज की. कार्यक्रम का संचालन स्पर्धा वाडेकर, स्नेहा जैन, हर्ष प्रजापति एवं विनम्र तिवारी ने किया.

कार्यक्रम में डॉ. यू.के. खेडलेकर, डॉ. आर.के. पाण्डेय, डॉ. एम.के. यादव, डॉ. आयुष गुप्ता, डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. भूपेन्द्र तथा शिवानी खरे उपस्थित थी. विद्यार्थीगणों में सौरभ पाण्डेय, कुशाग्र सोलंकी, सुमित नामदेव, मोहन दास प्रजापति, नियुक्ति ऐडे, लक्ष्मी प्रजापति, महिमा चौबे, आस्था जैन, शुभांगी असाटी, शिवानी चौरसिया, साक्षी गौतम, दीप्ति साहू, काजल शर्मा, निधि यादव, निधि ठाकुर, रमेश कुमार केसरी, आयूषी, शिवम चौरसिया, जय नारायण आदि उपस्थित थे।

देशबन्धु

विश्व सांख्यिकी दिवस पर हुआ विशेष कार्यक्रम का आयोजन

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विश्व सांख्यिकी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. दिवाकर शुक्ला ने डाटा साक्षरता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने डाटा की सटीकता, संग्रहण और उसकी उपयोगिता पर जोर देते हुये कहा कि वर्तमान समय में डाटा की महत्ता सोना और पेट्रोल से भी अधिक है। प्रो. शुक्ला ने बताया कि डाटा के आधार पर ही भविष्य की योजनायें बनाई जाती हैं और इसका सही उपयोग समाज और अर्थव्यवस्था के लिये अत्यधिक लाभकारी हो सकता है। कार्यक्रम में बीएससी और एमएससी सांख्यिकी के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर सांख्यिकी क्विज, गायन, पोस्टर और व्याख्यान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन स्पर्धा वाडेकर, स्नेहा जैन, हर्ष प्रजापति और विनम्र तिवारी ने किया। इस अवसर पर गणित एवं सांख्यिकी विभाग के डॉ. यूके खेडलेकर, डॉ. आरके पाण्डेय, डॉ. एमके यादव, डॉ. आयुष गुप्ता, डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. भूपेन्द्र, शिवानी खरे आदि सहित छात्र-छात्रायें उपस्थित थे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांख्यिकी के महत्व को गहराई से समझा और प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

व्यवसाय प्रबंधन विभाग और म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जैव चिकित्सा कचरा प्रबंधन पर संगोष्ठी आयोजित

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के व्यवसाय प्रबंधन विभाग एवं मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में 22 अक्टूबर 2024 को जैव चिकित्सा कचरा प्रबंधन पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों और व्यवसाय जगत को एक मंच पर लाकर जैव चिकित्सा कचरे के उचित प्रबंधन, निपटान और नियमन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना एवं छात्रों को उचित मार्गदर्शन देना था।

संगोष्ठी में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विशेषज्ञ, पर्यावरण कार्यकर्ता और व्यवसाय प्रबंधन विभाग के शैक्षणिक विशेषज्ञ ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में डॉ. बबीता यादव, डॉ. सुमित वालिया, भूपेंद्र सिंह, डॉ. विनय राज एवं शोधार्थी आदि उपस्थित रहे। संगोष्ठी में सम्मिलित होने वाले सभी लोगों को आयोजको द्वारा

पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। व्यवसाय प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष, वरिष्ठ प्रोफेसर वाय. एस. ठाकुर ने कहा कि जैवचिकित्सा कचरा प्रबंधन एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है और इसे व्यवसायों, नियामकों और स्वास्थ्य संस्थानों के संयुक्त प्रयास की आवश्यकता है। यह संगोष्ठी अध ?ययनरत छात्र छात्राओं को ज्ञान आदान-प्रदान करने और एक स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए मार्ग बनाने का अवसर है. श्री के.पी.सोनी, म.प्र. पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य छात्रों में जागरूकता बढ़ाना और मजबूत नियमों को लागू करना है ताकि जैवचिकित्सा कचरे का जिम्मेदारी से प्रबंधन हो सके, जिससे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा हो सके। व्यवसाय प्रबंधन विभाग में सहायक प्रो. डॉ. प्रेरणा जैन ने कहा कि पर्यावरणीय स्थिरता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, इस संगोष्ठी का उद्देश्य जैवचिकित्सा कचरा प्रबंधन की चुनौतियों को छात्र-छात्रो को समझाना और भविष्य में व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम बनाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नियामक निकायों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और व्यवसाय समुदाय के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था ताकि प्रदेश एवं देश में जैवचिकित्सा कचरे के प्रबंधन के लिए स्थायी रणनीतियाँ विकसित की जा सकें संगोष्ठी आयोजित करने में एमबीए हेल्थकेयर & हॉस्पिटल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने अहम भूमिका निभाई जिसमें भी डॉ. आशीष शर्मा, दीपाली पटेल, सादगी एवं डॉ. समृद्ध शर्मा का योगदान सराहनीय रहा। संगोष्ठी में सम्मिलित होने वाले सभी लोगों को आयोजको को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

जैव चिकित्सा कचरा प्रबंधन पर संगोष्ठी का आयोजन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय व्यवसाय प्रबंधन विभाग और मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में जैव चिकित्सा कचरा प्रबंधन पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य जैव चिकित्सा कचरे के सही प्रबंधन, निपटान और नियमन से जुड़े मुद्दों पर विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों और व्यवसाय जगत के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाना व विद्यार्थियों को इस महत्वपूर्ण विषय पर मार्गदर्शन प्रदान करना भी इसका मुख्य उद्देश्य रहा। संगोष्ठी में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विशेषज्ञों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं और विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग के शिक्षाविदों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। मुख्य वक्ताओं में डॉ. बबीता यादव, डॉ. सुमित वालिया, भूपेंद्र सिंह और डॉ. विनय राज शामिल थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। व्यवसाय प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष प्रो. वायएस ठाकुर ने अपने

वक्तव्य में कहा जैव चिकित्सा कचरा प्रबंधन एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है, जिसे व्यवसायों, नियामकों और स्वास्थ्य संस्थानों के संयुक्त प्रयास की आवश्यकता है। इस संगोष्ठी ने विद्यार्थियों को ज्ञान आदान प्रदान का अवसर प्रदान किया है और भविष्य के लिये एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज की दिशा में मार्ग बनाने का उद्देश्य पूरा किया है। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी केपी सोनी ने कहा कि हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना और कड़े नियमों को लागू करना है, ताकि जैव चिकित्सा कचरे का सही प्रबंधन हो सके, जिससे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रो. डॉ. प्रेरणा जैन ने कहा इस संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों को जैव चिकित्सा कचरा प्रबंधन की चुनौतियों से अवगत कराना और उन्हें व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम बनाना था। कार्यक्रम में एमबीए हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को आयोजकों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई और प्रमाण पत्र प्रदान किये।

महिला स्वास्थ्य की चुनौतियों के बारे में और अधिक शोध करने की आवश्यकता हैः कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल उन्नयन में नवाचार की कड़ी में जनसंख्या अनुसंधान केंद्र द्वारा महिला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रविधि पर प्रशिक्षण कार्यशाला की जा रही है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन किया। कुलपति ने कहा महिला स्वास्थ्य की वैश्विक विषमताओं से उत्पन्न नई चुनौतियों के बारे में और अधिक शोध करने की आवश्यकता है। भारत जैसे बहु पारंपरिक सामाजिक परिवेश में महिला स्वास्थ्य की असमानता और सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की कठिनाइयां विद्यमान हैं। इसके उपायों को विस्तृत रूप में जानने के लिए शोध दक्षता उन्नयन अत्यावश्यक है।

कुलपति ने कहा महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक पद्धति से सर्वेक्षण के बारे में विश्वविद्यालय की छात्राओं के कौशल विकास के तहत इस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय की शोध परंपरा में इस नवाचार से शोध के इस आयाम से विद्यार्थियों के लिए नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। इस तरह के प्रशिक्षण से विभिन्न सर्वेक्षणों के लिए आवश्यक मानव संसाधन की कमी को पूरा किया जा सकेगा। इस विमोचन अवसर पर जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के मानद निदेशक प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज तथा डॉ. निखिलेश परचुरे मौजूद थे। प्रो. भारद्वाज ने बताया प्रशिक्षण कार्यशाला में कुल 30 प्रशिक्षणार्थी भाग लेंगे। प्रशिक्षण के लिए सामाजिक एवं अनुप्रयोगिक विभागों की छात्राओं को रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य होगा।

रजिस्ट्रेशन की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में 4 से 7 नवंबर तक सैद्धांतिक प्रशिक्षण, 8 से 10 नवंबर प्रायोगिक प्रशिक्षण और 18 नवंबर को कार्यशाला का समापन होगा। प्रशिक्षणार्थी इस कार्यशाला में समूह प्रजेंटेशन देंगे। प्रशिक्षण से प्राप्त निष्कर्षों का प्रस्तुतीकरण कार्यशाला के समापन पर किया जाएगा।

आयोजन | महिला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रविधि पर प्रशिक्षण शोधशक्ति कार्यशाला आयोजित

महिलाओं के स्वास्थ्य पर सर्वेक्षण अत्यावश्यकः गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में विद्यार्थियों के कौशल उन्नयन में नवाचार की कड़ी में जनसंख्या अनुसंधान केंद्र द्वारा महिला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रविधि पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है.

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन किया गया. कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि महिला स्वास्थ्य की वैश्विक विषमताओं से उत्पन्न नई चुनौतियों के बारे में और अधिक शोध किये जाने की आवश्यकता है. भारत जैसे बहु पारंपरिक सामाजिक परिवेश में महिला स्वास्थ्य की असमानता और सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की कठिनाइयां विद्यमान है. इसके उपायों को विस्तृत रूप में जानने के लिए शोध दक्षता उन्नयन अत्यावश्यक है.

कुलपति ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक पद्धति से सर्वेक्षण के बारे में विश्वविद्यालय की छात्राओं के कौशल विकास के तहत इस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन महत्वपूर्ण है. विश्वविद्यालय की शोध परंपरा में इस नवाचार से शोध के इस आयाम से विद्यार्थियों के लिए नए अवसर भी उत्पन्न होंगे. इस तरह के प्रशिक्षण से विभिन्न सर्वेक्षणों के लिये आवश्यक मानव संसाधन की कमी को पूरा किया जा सकेगा. इस विमोचन अवसर पर जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के मानद निदेशक प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज तथा डॉ. निखिलेश परचुरे उपस्थित थे.

केंद्र के निदेशक, प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला में कुल 30 प्रशिक्षणार्थी भाग लेंगे. प्रशिक्षण हेतु सामाजिक एवं अनुप्रयोगिक विभागों की छात्राओं को रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य होगा. रजिस्ट्रेशन की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है.

इस प्रशिक्षण में महिला स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों, सर्वेक्षण की विधियों और सर्वेक्षण की तकनीक के बारे में विस्तार से बताया जाएगा. प्रशिक्षणार्थी इसके माध्यम से महिला स्वास्थ्य के संवेदनशील आयामों पर शोध सर्वेक्षण तकनीक को सीख सकेंगे. इस सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में दिनांक 4 से 7 नवंबर तक सैद्धांतिक प्रशिक्षण, 8 से 10 नवंबर प्रायोगिक प्रशिक्षण और 18 नवंबर को कार्यशाला का समापन होगा. प्रशिक्षणार्थी इस कार्यशाला में समूह प्रजेंटेशन देंगे. इस प्रशिक्षण से प्राप्त निष्कर्षों का प्रस्तुतीकरण कार्यशाला के समापन अवसर पर किया जाएगा.

महिलाओं के स्वास्थ्य पर सर्वेक्षण अत्यावश्यकः प्रो. नीलिमा गुप्ता

विजय मत, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में विद्यार्थियों के कौशल उन्नयन में नवाचार की कड़ी में जनसंख्या अनुसंधान केंद्र द्वारा महिला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रविधि पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है.कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन किया गया. कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि महिला स्वास्थ्य की वैश्विक विषमताओं से उत्पन्न नई चुनौतियों के बारे में और अधिक शोध किये जाने की आवश्यकता है. भारत जैसे बहु पारंपरिक सामाजिक परिवेश में महिला स्वास्थ्य की असमानता और सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की कठिनाइयां विद्यमान है. इसके उपायों को विस्तृत रूप में जानने के लिए शोध दक्षता उन्नयन अत्यावश्यक है. कुलपति ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक पद्धति से सर्वेक्षण के बारे में विश्वविद्यालय की छात्राओं के कौशल विकास के तहत इस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन महत्वपूर्ण है. विश्वविद्यालय की शोध परंपरा में

इस नवाचार से शोध के इस आयाम से विद्यार्थियों के लिए नए अवसर भी उत्पन्न होंगे. इस तरह के प्रशिक्षण से विभिन्न सर्वेक्षणों के लिये आवश्यक मानव संसाधन की कमी को पूरा किया जा सकेगा. इस विमोचन अवसर पर जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के मानद निदेशक प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज तथा डॉ. निखिलेश परचुरे उपस्थित थे. केंद्र के निदेशक, प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला में कुल 30 प्रशिक्षणार्थी भाग लेंगे. प्रशिक्षण हेतु सामाजिक एवं अनुप्रयोगिक विभागों की छात्राओं को रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य होगा. रजिस्ट्रेशन की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है. इस प्रशिक्षण में महिला स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों, सर्वेक्षण की विधियों और सर्वेक्षण की तकनीक के बारे में विस्तार से बताया जाएगा. प्रशिक्षणार्थी इसके माध्यम से महिला स्वास्थ्य के संवेदनशील आयामों पर शोध सर्वेक्षण तकनीक को सीख सकेंगे. इस सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में दिनांक 4 से 7 नवंबर तक सैद्धांतिक प्रशिक्षण, 8 से 10 नवंबर प्रायोगिक प्रशिक्षण और 18 नवंबर को कार्यशाला का समापन होगा. प्रशिक्षणार्थी इस कार्यशाला में समूह प्रजेंटेशन देंगे. इस प्रशिक्षण से प्राप्त निष्कर्षों का प्रस्तुतीकरण कार्यशाला के समापन अवसर पर किया जाएगा।

विवि में 2 हजार सीटों पर हुए प्रवेश, नवीन कोर्स के लिए काउंसलिंग आज होगी

सागर@पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में स्नातक में प्रवेश के लिए पुराने प्रोग्रामों की तीन दिवसीय चौथे चरण की काउंसलिंग आयोजित की गई। सीयूईटी एवं नॉन सीयूईटी दोनों तरह से प्रवेश दिए हैं। केमिकल तथा बायोलॉजिकल स्कूल में 321 सीटों में से 319 सीटें, गणित एवं भौतिकी स्कूल की 288 में 253 सीटें एवं कॉमर्स की 325 में से 321 सीटें भरीं। वहीं बीफार्मा सीट फुल हो गई और बीए की 806 सीटों में से लगभग 750

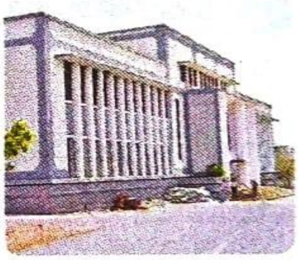

प्रवेश हुए। अबतक स्नातक स्तर पर कुल 2000 से अधिक आवेदकों ने प्रवेश ले लिया। जानकारी के अनुसार नवीन कोर्स की काउंसलिंग 25 अक्टूबर को होगी। बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट में अभी सीटें रिक्त हैं जिनकी काउंसलिंग भी 25 अक्टूबर को जारी रहेगी। जिन आवेदकों को अपरिहार्य कारणों से विवि में प्रवेश नहीं मिल सका है, वे शुक्रवार 25 अक्टूबर को होटल मैनेजमेंट कोर्स में प्रवेश व्यवसाय प्रबंध विभाग में जाकर ले सकते हैं। यह कोर्स स्ववित्तीय है जिसको पूर्ण करने के उपरांत होटलों में रोजगार मिलने की प्रबल संभावना रहती है।

गौर जयंती 26 नवंबर को

युवा उत्सवः 70 विश्वविद्यालय के 1500 कलाकार देंगे प्रस्तुति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि में 26 नवंबर गौर जयंती से शुरू हो रहे युवा उत्सव में मप्र और उत्तर प्रदेश के लगभग 70 विश्वविद्यालयों के 1500 कलाकार शामिल हो रहे हैं। खास बात यह है कि बॉलीवुड के नामी कलाकार भी इस उत्सव में शिरकत करेंगे। युवा उत्सव में डॉ. हरिसिंह गौर विवि से ही पढ़ाई करने वाले फ़िल्म अभिनेता आशुतोष राणा, गोविंद नामदेव, मुकेश तिवारी, श्रीवर्धन त्रिवेदी अलग-अलग दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

संस्कृति परिषद के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि युवा उत्सव में 27 विधाओं में प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिसमें म्यूजिक, थिएटर, डांस, लिटरेरी और फाइन आर्ट से संबंधित रहेंगे। यह 30 नवंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि युवा उत्सव के पहले तीनबत्ती से दोपहर 2 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें कलाकार विभिन्न संस्कृति का परिचय देंगे। शोभायात्रा तीनबत्ती, कोतवाली, एलिवेटेड कॉरिडोर, गोपालगंज, सिविल लाइन से होते ही विश्वविद्यालय पहुंचेगी। कलाकार अलग-अलग वेशभूषा में नजर आएंगे। शोभायात्रा का समापन विवि में होगा। शाम 6 बजे युवा उत्सव का उद्घाटन समाधि मंच से होगा। इसके बाद अगल-अलग विधाओं के पांच स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि शोभायात्रा के दौरान ही लाखा बंजारा झील में ही खास शो की प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि करीब 100 नाव और क्रूज पर कलाकार प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सेंट्रल जोन का कार्यक्रम है। इसमें मप्र और उत्तरप्रदेश से विश्वविद्यालय शामिल होंगे।

विश्वविद्यालय और नाइपर अहमदाबाद के बीच एमओयू, कुलपति बोलीं- यह महत्वपूर्ण कदम

सागर | नाइपर अहमदाबाद में आयोजित विशेष एमओयू साइनिंग सेरेमनी में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर) अहमदाबाद के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं नाइपर अहमदाबाद के डायरेक्टर प्रो. शैलेंद्र सराफ ने एमओयू दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर फार्मेसी के विभागाध्यक्ष प्रो यूके पाटिल और नाइपर अहमदाबाद के रजिस्ट्रार डॉ. अवधेश नौटियाल, अधिष्ठाता डॉ. अक्षय श्रीवास्तव सहित प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक मौजूद थे। कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा फार्मास्युटिकल साइंस के नए क्षेत्रों में शोध के लिए नाइपर अहमदाबाद से अकादमिक साझेदारी महत्वपूर्ण कदम होगी। एमओयू का प्रमुख उद्देश्य फार्मेसी शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में समसामयिक शोध विषयों पर दोनों संस्थानों में उपलब्ध विशेषज्ञताओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को शेयर करना एवं नवाचार आधारित फार्मेसी शोध को क्रियान्वित करना है। इस एमओयू के अंतर्गत हर्बल फॉर्मूलेशन, ड्रग डिलिवरी सिस्टम, मेडिशनल केमिस्ट्री, कम्प्यूटर एडेड ड्रग डिजाइन, फार्मास्युटिकल बायोटेकनोलॉजी के क्षेत्र में साझा शोध को विशेष महत्व दिया जाएगा।

दैनिक परिहार गर्जना | सागर/बीना न्यूज | (3)

फार्मास्युटिकल साइंस के नए क्षेत्रों में शोध के लिए नाईपर अहमदाबाद से अकादमिक साझेदारी महत्वपूर्ण कदम - कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय और नाईपर अहमदाबाद के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

परिहार गर्जना न्यूज। सागर. आज नाईपर अहमदाबाद में आयोजित एक विशेष एमओयू साइनिंग सेरेमनी में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर और राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), अहमदाबाद के बीच एमओयू साईन किया गया. उक्त सेरेमनी में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता एवं नाईपर अहमदाबाद के डायरेक्टर प्रोफेसर शैलेन्द्र सराफ ने एमओयू दस्तावेज पर हस्ताक्षर किये. इस अवसर पर फार्मेसी के विभागाध्यक्ष प्रो यू.के. पाटिल और नाईपर अहमदाबाद के रजिस्ट्रार डॉ अवधेश नौटियाल, अधिष्ठाता डॉ अक्षय श्रीवास्तव सहित प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे. इस एमओयू का प्रमुख उद्देश्य फार्मेसी शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में समसामयिक शोध विषयों पर दोनों संस्थानों में उपलब्ध विशेषज्ञताओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को शेयर करना एवं नवाचार आधारित फार्मेसी शोध को क्रियान्वित करना है. इस एमओयू के अन्तर्गत हर्बल फॉर्मूलेशन, ड्रग डिलिवरी सिस्टम, मेडिसिनल केमिस्ट्री, कम्प्यूटर ऐडेड ड्रग डिजाइन, फार्मास्युटिकल बायोटेकनोलोजी के क्षेत्र में साझा शोध को विशेष महत्व दिया जाएगा.

अहमदाबाद और सागर विवि औषधीय अनुसंधान पर साथ काम करेंगे

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः नाईपर अहमदाबाद में सोमवार को आयोजित एक विशेष एमओयू साइनिंग सेरेमनी में डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर और राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), अहमदाबाद के बीच एमओयू साईन किया गया। सेरेमनी में विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं नाईपर अहमदाबाद के डायरेक्टर प्रो. शैलेंद्र सराफ ने एमओयू दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर फार्मेसी के विभागाध्यक्ष प्रो यूके पाटिल और नाईपर अहमदाबाद के रजिस्ट्रार डा. अवधेश नौटियाल,

नाईपर अहमदाबाद में विशेष एमओयू के साथ कुलपति व अन्य।

अधिष्ठाता डा. अक्षय श्रीवास्तव सहित प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे। इस एमओयू का प्रमुख उद्देश्य फार्मेसी शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में समसामयिक शोध विषयों पर दोनों संस्थानों में उपलब्ध विशेषज्ञताओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को साझा करना एवं नवाचार आधारित फार्मेसी शोध को क्रियान्वित करना है। इस एमओयू के अंतगर्त हर्बल फार्मूलेशन, ड्रग डिलिवरी सिस्टम, मेडिसिनल केमिस्ट्री, कम्प्यूटर ऐडेड ड्रग डिजाइन, फार्मास्युटिकल बायोटेकनोलोजी के क्षेत्र में साझा शोध को विशेष महत्व दिया जाएगा।

सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि सप्ताह विवि में शुरू

सागर नवदुनिया प्रतिनिधि।

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2024 तक विश्वविद्यालय में "सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024" आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की थीम "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" है। इसी क्रम में पहले दिन विवि के प्रशासनिक भवन के सामने

विवि के कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। नवदुनिया

प्रभारी कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर द्वारा सभी विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को सत्य निष्ठा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो. एपी मिश्रा, प्रो. अजीत जयसवाल, प्रो. एएन शर्मा, लाइब्रेरियन डा. मोहन टीए, डा. एसपी उपाध्याय, परीक्षा नियंत्रक डा. सुरेन्द्र गादेवार, समर्थ दीक्षित एवं कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में केन्द्रीय सतर्कता आयोग,नई दिल्ली द्वारा जारी निदेशों के परिपालन में 28 अक्टूबर 2024 से 03 नवम्बर 2024 तक विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 आयोजित किया जा रहा है। जिसकी थीम सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि है। इसी क्रम में 28 अक्टूबर 2024 को पूर्वान्ह 11बजे, प्रशासनिक भवन के

सामने प्रभारी कुलपति प्रो. वाय. एस. ठाकुर द्वारा सभी विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को सत्य निष्ठा की शपथ दिलाई गई। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो.ए पी मिश्रा, प्रो.अजीत जयसवाल, प्रो.ए एन शर्मा, लाइब्रेरियन डॉ. मोहन टी ए, डॉ. एस.पी उपाध्याय, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेन्द्र गादेवार, समर्थ दीक्षित एवं कर्मचारियों सहित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।